



महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

वर्ष : 17 अंक : 130

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला, नीतियों और विकास कार्यों को रफ्तार देने के लिए डीआईटीआई का गठन



नई दिल्ली/ जीएनएस। दिल्ली सरकार ने विकास की योजनाओं और नीतियों को दिशा देने के लिए दिल्ली इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन एंड इनोवेशन (डीआईटीआई) के गठन की अधिसूचना जारी कर दी है। यह संस्थान विजन दिल्ली 2047 सहित विभिन्न विकास योजनाओं का रोडमैप तैयार करने में सरकार की मदद करेगा। इसे नीति आयोग की तर्ज पर गठित किया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता इसकी गवर्निंग बोर्ड की अध्यक्ष होंगी। संस्थान विभिन्न क्षेत्रों में शोध, नीतिगत विश्लेषण और योजनाओं के प्रभाव का आकलन करेगा। साथ ही विभागों को योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन, निगरानी और जनसेवाओं में सुधार के लिए सुझाव देगा। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में कार्यकारी समिति भी बनाई गई है। अधिसूचना के अनुसार, डीआईटीआई विभिन्न क्षेत्रों में नीतिगत रिसर्च और विश्लेषणात्मक अध्ययन शुरू करेगा और विभागों को कार्यक्रम के डिजाइन व लागू करने के लिए सुझाव आधारित सिफारिशें देगा। डेटा, प्रौद्योगिकी, साझेदारी और नीति अनुसंधान के जरिए सुधार के कल्चर को बढ़ावा देगा। डीआईटीआई गवर्निंग बोर्ड की अध्यक्ष मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता होंगी। सीएम ही बोर्ड के उपाध्यक्ष को नामित करेंगी। बोर्ड के सदस्य के रूप में दिल्ली सरकार के सभी मंत्री, दिल्ली के मुख्य सचिव, डीडीए उपाध्यक्ष, एमसीडी आयुक्त व एनडीएमसी चेयरमैन होंगे। यह नया संस्थान दिल्ली सरकार के प्रमुख थिंक टैंक और नीति सलाहकार निकाय के रूप में काम करेगा। बैठक के दौरान विशेष आमंत्रित में संबंधित विभाग के सचिव और राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विषय विशेषज्ञ शामिल होंगे। सरकार से बाहर के विषय विशेषज्ञों को प्रति बैठक 10,000 रुपये की दर से भुगतान किया जाएगा। इसके अलावा दिल्ली के बाहर से आने वाले विषय विशेषज्ञों को यात्रा भत्ता व दैनिक भत्ता का भुगतान भी किया जाएगा। इसमें सरकार के विभिन्न विभागों के अलावा अग्रणी ज्ञान संस्थान (जीजीएसआइपीयू) के प्रतिनिधि शामिल किए गए हैं।

उराने की कोशिश, लेकिन हम रुकेंगे नहीं..., रिहाई के बाद अभिजीत दीपके ने बताया अगला प्लान



नई दिल्ली/ जीएनएस। कर्नाट प्लेस पर शुक्रवार को कॉर्करोच जनता पार्टी द्वारा तिरंगा मार्च प्रस्तावित था, हालांकि दिल्ली पुलिस द्वारा अनुमति नहीं मिलने के कारण इसे बीच में ही रोक दिया गया। इस दौरान दिल्ली पुलिस ने पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके समेत सीजेपी के कई नेताओं को हिरासत में ले लिया। दीपके को शनिवार को अदालत में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने उन्हें सशर्त रिहा किया है। दीपके की रिहाई के बाद से उनके समर्थकों और आम जनता के मन में यही सवाल है कि क्या अब सब खत्म हो गया? क्या अब सीजेपी कोई प्रदर्शन नहीं करेगी? इसी बीच रविवार को दीपके ने आगे का प्लान बता दिया है। अभिजीत दीपके ने रविवार को एलान किया है कि सीरव दास और आशुतोष रांका के बाहर निकलने के बाद सभी लोग बैठक करेंगे और फिर आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। सीजेपी के प्रमुख नेता सीरव दास और आशुतोष रांका इस वक्त न्यायिक हिरासत में हैं। उन्हें जंतर-मंतर में बिना अनुमति के दाखिल होने पर हिरासत में लिया गया था। जिसके बाद उन्हें पांच दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। एक सप्ताह में दूसरी बार हिरासत से निकलने के बाद दीपके ने एक बार फिर से दिल्ली पुलिस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी और हिरासत में लिए जाने की घटनाएं यह साफ बता रही हैं कि उन्हें डराने की कोशिश की जा रही है। लेकिन मैं एक बार फिर से साफ कहता हूँ कि हम डरने वाले नहीं हैं।

भारत में बांग्लादेश-फ्रांस जैसी हिंसा की थी योजना, किरेन रिजिजू ने विपक्ष पर साधा निशाना

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को विपक्ष और भारत-विरोधी गिरोहों पर देश में हिंसा और अशांति भड़काने की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भारत में ठीक वैसे ही प्रदर्शन और दंगे कराने की कोशिश की गई, जैसे बांग्लादेश और हाल ही में फ्रांस में देखने को मिली। एक्स एक पोस्ट के जरिए रिजिजू ने दावा किया कि कुछ राजनेताओं और जनविरोधी तत्वों ने मिलकर युवाओं को उकसाया और सड़कों पर हिंसा, आगजनी व लूटपाट फैलाने का प्रयास किया।

भारत नहीं है बांग्लादेश और फ्रांस - उन्होंने स्पष्ट किया, इस खतरनाक साजिश को रचने वाले यह भूल गए कि भारत न तो बांग्लादेश है और न ही फ्रांस। भारत में सत्ता परिवर्तन पूरी तरह संभव है, लेकिन यह केवल निष्पक्ष चुनावों के माध्यम



से होगा, सोरोस के जरिए नहीं। अपने बयान के साथ केंद्रीय मंत्री ने एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें दूध-अध्यक्ष नेहा बोरा और वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण सत्ता परिवर्तन की वकालत करते दिख रहे हैं। विपक्ष ने सत्ता परिवर्तन की कही थी बात- रिजिजू का यह बयान ऐसे समय में आया है जब दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इन प्रदर्शनों के

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Website:- www.malwaherald.com

17 वर्षों से निरंतर....

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

माँ दुर्गा का नवम ईश्वरीय स्वरूप



माँ सिद्धिदात्री

पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

प्रदेश में मोरों के संरक्षण और पुनर्वास की नयी परियोजना शुरू होगी : मुख्यमंत्री

माँ चामुंडा धाम गजनीखेड़ी में 22.34 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में मोरों के संरक्षण और पुनर्वास की नयी परियोजना शुरू की जायेगी। बड़नगर में कवि प्रदीप सम्मान समारोह आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बड़नगर में फूड प्रोसेसिंग पार्क बनाया जाएगा, जिससे स्थानीय किसानों एवं युवाओं को रोजगार के नये अवसर मिलेंगे। भाट पचलााना और इंगोरिया में नये सांदीपनि विद्यालय खोले जाएँगे। उज्जैन और आगरा में आलू प्रसंस्करण की नई यूनिट प्रारंभ हो रही है, जो प्रदेश के 35 जिलों के किसानों से आलू खरीदेगी, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ की तैयारी के लिये 25 हजार करोड़ के विभिन्न विकास कार्य प्रगतिरत हैं। मुख्यमंत्री सुगम बस सेवा योजना पुनः प्रारंभ की गई है, जिससे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आवागमन सुगम हुआ है। दुग्ध सहकारी समितियों के माध्यम से दुग्ध



उत्पादन बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने एशिया से विलुप्त हो चुके चीतों को पुनः प्रदेश में स्थापित करने का कार्य किया है। सड़क दुर्घटना में घायलों को अस्पताल पहुंचाने वाले राहवीरो को 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है तथा आवश्यकता पर एयर एम्बुलेंस एवं हेली सेवा के माध्यम से

निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जायेगा। प्रदेश से नक्सलवाद समाप्त हो गया है, मध्यप्रदेश लाल सलाम को आखिरी सलाम करने वाला प्रदेश बन गया है। बड़नगर में गीता भवन का निर्माण भी होगा।

लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यों का विवरण- मुख्यमंत्री द्वारा लोकार्पण और भूमि-

पूजन किये गये कार्यों में मुख्य रूप से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा अंतर्गत ग्राम पंचायत गजनीखेड़ी में मां चामुंडा मंदिर परिसर में 16 कमरों की धर्मशाला, टीन शेड, सामुदायिक भवन, शौचालय निर्माण, पेयजल व्यवस्था हेतु पानी की टंकी, 3.00 कि.मी. वाटर रिटेंशन कार्य, चारभुजा मंदिर से माताजी मंदिर तक सी.सी. रोड, गाईन से

शौचालय की ओर तथा मुख्य द्वार से श्मशान की ओर सी.सी. रोड, माताजी परिसर की बाउण्ड्रीवाल, विभिन्न ग्राम पंचायतों में सामुदायिक भवन, सी.सी. रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य शामिल हैं।

स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत उप स्वास्थ्य केंद्र भवन भीड़वद, मौलाना, बीराखेड़ी, दुनातला,

पलदुना, बड़िया एवं सिविल अस्पताल बड़नगर का उन्नयन कार्य, पी.आई.यू. अंतर्गत इण्डोर स्टेडियम एवं स्विमिंग पूल का निर्माण तथा नगर पालिका परिषद बड़नगर के विभिन्न वार्डों में सी.सी. रोड एवं आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया। प्रारंभ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवरात्रि के अवसर पर देवी स्वरूपा जो कन्याओं का पूजन किया और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण भूमि पूजन भी किया।

कार्यक्रम को सांसद श्री अनिल फिरोजिया ने संबोधित करते हुए क्षेत्र में हुए विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों के बारे में विस्तार से बताया और बड़नगर में नवीन फूड प्रोसेसिंग पार्क की स्थापना करने की मांग की।

इस अवसर पर विधायक बड़नगर श्री जितेन्द्र पण्ड्या, विधायक नागदा श्री तेज बहादुर सिंह चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कमल कुमार देवड़ा, जनपद अध्यक्ष श्रीमती निर्मला उमराव सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष श्री अभय टोंगया सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

रामलीला मैदान में 1 नवंबर को होगी कांग्रेस की रैली, दिल्ली पुलिस ने दी हरी झंडी; सुरक्षा जांच के बाद NOC जारी

नई दिल्ली/ जीएनएस। कांग्रेस पार्टी की ओर से 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली का एलान किया गया है। हालांकि दिल्ली में लगातार चल रहे विरोध-प्रदर्शनों की वजह से व्यापारियों और आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में इस रैली का होना मुश्किल माना जा रहा था, लेकिन इसी बीच दिल्ली पुलिस ने रैली करने की अनुमति दे दी है। साथ ही एनओसी भी जारी कर दी गई है।

दिल्ली में विरोध-प्रदर्शनों के लिए निर्धारित जगहों की लिस्ट से जंतर-मंतर को हटाए जाने के बाद कांग्रेस ने रामलीला मैदान में रैली की अनुमति मांगी थी। जिसके बाद लिए उन्हें अनुमति



दे दी गई है और अगर यह रैली सफल तरीके से होती है तो यह इस तरह की कांग्रेस की पहली रैली होगी। कांग्रेस पार्टी की ओर से रामलीला मैदान में आयोजित रैली के बारे में सेंट्रल डीसीपी राजवीर सिंह ने भी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि जैसा आप सबको मालूम है रामलीला मैदान, सीबीडी ग्राउंड

और बुराड़ी ग्राउंड को प्रदर्शन स्थलों के रूप में तय किया गया है। कांग्रेस पार्टी की ओर से जगह की उपलब्धता की जानकारी के लिए एमसीडी से संपर्क किया गया था।

एमसीडी की ओर से मैदान में 25 अक्टूबर से 3 नवंबर तक की उपलब्धता बताई गई। जिसके बाद कांग्रेस पार्टी हमारे पास पहुंची। सुरक्षा के इंतजामों को देखते हुए हमने उन्हें एनओसी देने का फैसला लिया है। इसी प्रक्रिया के तहत कोई और पक्ष भी मैदान बुक करना चाहे तो कर सकता है। कांग्रेस द्वारा प्रस्तावित रैली ऐसे समय पर होने जा रही है, जब पहले से ही देश में स्टूक पर विवाद चल रहा है।

कोलकाता भगदड़: पूजा पंडाल आयोजकों समेत 12 लोग हिरासत में, सीएम ने दिए निष्पक्ष जांच के आदेश

नई दिल्ली/ जीएनएस। कोलकाता के चौरबागान क्षेत्र में स्थित सर्वजनित दुर्गा पूजा पंडाल में शनिवार शाम को हुई भगदड़ में 19 लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। घटना लगभग 7-40 बजे गिरिश पार्क थाना क्षेत्र में हुई। पंडाल हॉर्पर्स की भारी भीड़ और बारिश के कारण हालात बिगड़े। बारिश शुरू होते ही पंडाल के बाहर इंतजार कर रहे लोग अंदर की ओर दौड़ पड़े। कुछ लोग सड़क पर गिर गए, जिससे भगदड़ मच गई।



कोलकाता पुलिस के अनुसार, 12 लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिनमें कुछ पूजा आयोजक भी शामिल हैं। उनसे पूछताछ की जा रही है। सभी घायलों को बचाकर कलकत्ता

देखरेख में एक एसटीएफ (विशेष कार्य बल) गठित करने की दिशा में कदम उठाएँगे। मैं सभी

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया।

सीएम ने कहा कि राज्य सरकार ने पीड़ितों के परिवारों के लिए 25 लाख रुपये की सहायता राशि और सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है। साथ ही, निष्पक्ष जांच के लिए हम एक मौजूदा जज की

घायलों के जल्द और पूरी तरह से ठीक होने की प्रार्थना करता हूँ। एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि कई लोग बेहोश हो गए थे। कुछ को मोटरसाइकिलों पर ले जाया जा रहा था। चारों तरफ यही नजारा था और भीड़ बहुत ज्यादा थी।

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी, मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल, स्वास्थ्य मंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारी घायलों से मिलने अस्पताल पहुंचे। पुलिस, फायर ब्रिगेड, आपदा प्रबंधन और मेडिकल टीमों मौके पर पहुंची।

पंडाल को आगंतुकों के लिए बंद कर दिया गया है। लालबाजार कंट्रोल रूम में हेलपलाइन नंबर 18003455678 और 03322141310 जारी किए गए हैं।

राजस्थान में खौफनाक वारदात: मां ने कैंची से ली दो बच्चों की जान, फिर कर लिया सुसाइड

जयपुर/ जीएनएस। राजस्थान के अलवर में रविवार को एक महिला ने कथित तौर पर कैंची से अपने दो नाबालिग बच्चों की हत्या कर दी और फिर खुद भी आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, यह घटना खेरली कस्बे के पास दंतिया गांव में हुई।

बताया जा रहा है कि बच्चों के बाहर खेलने जाने को लेकर हुए विवाद के बाद, उषा शर्मा ने अपने पांच साल के बेटे मुकुल और चार साल की बेटी नंदिनी पर हमला कर दिया। उषा बच्चों को एक कमरे में ले गई और दरवाजा बंद कर लिया, फिर कैंची से उन पर हमला कर दिया। अलवर में मां ने दो बच्चों की कैंची से हत्या की- पुलिस ने बताया कि इसके बाद उसने खुद को भी घायल कर लिया। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, बच्चों के चीखने की आवाज सुनकर ग्रामीण घर की ओर दौड़े



और दरवाजा तोड़कर अंदर गए, जहां उन्होंने महिला और उसके दोनों बच्चों को घायल अवस्था में पाया।

घर पर मौजूद उषा की छोटी बहन मनीषा उन्हें देखकर बहुत परेशान हो गई

और उसने अपना सिर दीवार और फर्श पर मारकर खुद को घायल कर लिया।

बच्चों के बाद मां ने खुद भी आत्महत्या की- ग्रामीण चारों को खेरली के उप-जिला अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मुकुल को मृत घोषित कर दिया। इलाज के दौरान उषा और नंदिनी की भी मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल मनीषा को आगे के इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

सीआरपीएफ में 30 साल बाद लौटेंगे लांस नायक और नायक पद



नई दिल्ली/ जीएनएस। देश का सबसे बड़ा अर्धसैनिक बल केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) पदोन्नति में देरी की समस्या को हल करने और सेना से सेवानिवृत्त होने वाले 'अग्निवीरों' को समायोजित करने के लिए 30 साल पहले समाप्त किए गए लांस नायक और नायक के सैन्य रैंक को बहाल करने पर विचार कर रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि सीआरपीएफ मुख्यालय ने बल की क्षेत्रीय इकाइयों को दो दिन के भीतर संबंधित पक्षों के साथ बैठकें आयोजित करने और इस संबंध में जवानों के विचार जानने को कहा है। लांस नायक और नायक के रैंक 1997 में समाप्त कर दिए गए थे और इन्हें पुलिस के कांस्टेबल और हेड कॉन्स्टेबल रैंक में मिला दिया गया था।

पदानुक्रम के अनुसार, बल में कॉन्स्टेबल के रूप में भर्ती होने वाले जवान को पांच साल में पहली पदोन्नति लांस नायक के पद पर मिलती है। इसके बाद 10 साल में नायक और फिर 20 साल में हेड कॉन्स्टेबल के पद पर पदोन्नति मिलती है। फिलहाल करीब 3.25 लाख कर्मियों वाले सीआरपीएफ में इन रैंक पर पदोन्नति में काफी लंबा समय रहा है।

एक कॉन्स्टेबल को औसतन 22 से 25 साल में पहली पदोन्नति मिलती है।

सनातन धर्म को सशक्त बनाने के संकल्प के साथ निकली विशाल चुनरी यात्रा, मां बिजासन को अर्पित की 2.5 किलोमीटर लंबी चुनरी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित कई जनप्रतिनिधि और संत-महात्मा हुए शामिल, हजारों श्रद्धालुओं ने की सहभागिता; 3 हजार से अधिक चुनरी रक्षकों ने संभाली यातायात व्यवस्था

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवरात्रि के पावन पर्व पर सनातन धर्म को सशक्त बनाने और सामाजिक समरसता का संदेश देने के संकल्प के साथ इंदौर में विशाल चुनरी यात्रा निकाली गई। बड़ा गणपति मंदिर से प्रारंभ होकर मां बिजासन माता मंदिर तक पहुंची इस यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। लाखों सितारों, सलमा-सितारों, गोटे और मोतियों से सजी लगभग ढाई किलोमीटर लंबी चुनरी मां बिजासन के चरणों में अर्पित की गई। यात्रा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं तुलसीराम सिलावट, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन सहित अनेक जनप्रतिनिधि, संत-महात्मा और श्रद्धालु शामिल हुए।

बड़ा गणपति मंदिर स्थित मंच से यात्रा का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मां दुर्गा की आराधना का यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, वैभव और आनंद लेकर आए। मां के आशीर्वाद से सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों तथा प्रदेश में सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहे। नवरात्रि का महापर्व हमें मां दुर्गा की आराधना के साथ जीवन में शक्ति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने यात्रा के संयोजक एवं पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज को एकजुट करने



में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चुनरी यात्रा के माध्यम से सुदर्शन गुप्ता ने विभिन्न वर्गों, जातियों और पंथों के लोगों को एक साथ लाने का कार्य किया है। मां के दरबार में सभी समान हैं और यहां ऊंच-नीच, अमीर-गरीब अथवा जाति-पंथ का कोई भेद नहीं होता। मां के प्रति श्रद्धा और आस्था सभी को एक सूत्र में बांधती है। ऐसे आयोजन धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक समरसता, आपसी सद्भाव और एकता को भी मजबूत करते हैं।

यात्रा संयोजक एवं पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता ने स्वागत भाषण में बताया कि यह चुनरी यात्रा पिछले 17 वर्षों से प्रतिवर्ष आयोजित की जा रही है। कोरोना महामारी के दौरान भी चुनिंदा कार्यक्रमों की उपस्थिति में मां को चुनरी अर्पित करने की परंपरा जारी रखी गई। श्रद्धालुओं और क्षेत्र की मातृशक्ति की विशेष मांग पर इस वर्ष यात्रा को पुनः भव्य स्वरूप में आयोजित किया गया।

सुदर्शन गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सनातन संस्कृति से जुड़े धार्मिक स्थलों का विकास हो रहा है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर, केदारनाथ धाम में संध्या प्रदीप, आदि शंकराचार्य की प्रतिमा और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर जैसे कार्यों के साथ मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्वागत किया। नेतृत्व में उज्जैन में महाकाल लोक, जानापाव में परशुराम लोक और ओरछा में श्रीराम लोक जैसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का विकास किया जा रहा है। साथ ही भगवान श्रीराम के वन पथ गमन और भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों को भी संचालित किया जा रहा है।

यात्रा में मुख्यमंत्री के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं तुलसीराम सिलावट, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, सत्यनारायण सत्तन, कृष्णमुरारी मोघे, संभागा प्रभारी रणवीर सिंह रावत, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्पमित्र

भार्गव, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा, विधायक रमेश मेंदोला, गोल्ड शुक्ला, मालिनी गौड़, मधु वर्मा, मनोज पटेल, पूर्व विधायक जीतू जिराती, आकाश विजयवर्गीय, संजय शुक्ला, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. निशांत खरे, प्रताप करोसिया और सावन सोनकर सहित अनेक नेता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। ग्वालियर में हुए सड़क हादसे के मद्देनजर मुख्यमंत्री ने अपना स्वागत नहीं कराया।

यात्रा बड़ा गणपति मंदिर से प्रारंभ होकर पीलीया खाल, अग्रसेन नगर चौराहा, रामचंद्र नगर चौराहा, शिक्षक नगर चौराहा, कालानी नगर चौराहा और विद्याधाम मंदिर होते हुए एयरपोर्ट थाने के सामने बनाए गए विशाल मंच तक पहुंची। मार्ग में जगह-जगह सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक, खेल एवं व्यापारिक संस्थाओं, रहवासी संघों और गरबा मंडलों ने मंच बनाकर पुष्पवर्षा के साथ श्रद्धालुओं का स्वागत किया। श्रद्धालुओं के लिए खिचड़ी प्रसाद, छाछ, फल और पेयजल की व्यवस्था भी की गई। पर्यावरण और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए कागज से बनी प्लेटों का उपयोग किया गया।

यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए तीन हजार से अधिक चुनरी रक्षक तैनात किए गए थे। प्रत्येक प्रमुख चौक पर तैनात रक्षक वर्कियों की मदद से यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिली। चुनरी के दोनो ओर भी रक्षक तैनात रहे, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी न हो।

एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों के लिए छोटा बांगड़ा से सुपर कॉरिडोर होकर जाने की व्यवस्था की गई। एयरपोर्ट रोड की दो लेन पर यात्रा निकाली गई, जबकि शेष दो लेन पर यातायात जारी रहा। इसके अतिरिक्त पल्हर नगर मार्ग, छोटा बांगड़ा मार्ग और सुपर कॉरिडोर सहित अन्य वैकल्पिक मार्गों से भी आवागमन सुचारू रखा गया।

भरकुआ, अन्नपूर्णा और महानाका की ओर से एयरपोर्ट रोड जाने वाले यात्रियों के लिए चंदन नगर, सिरपुर, जवाहर टेकरी, चौधराम हॉस्पिटल बायपास, नावदा, ग्राम रिजलाय और हिकारगिरी होते हुए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए थे। इस व्यवस्था से विशाल धार्मिक आयोजन के दौरान यातायात को व्यवस्थित बनाए रखने का प्रयास किया गया।

मां बिजासन मंदिर पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान और भक्तिभाव के साथ विशाल चुनरी अर्पित की। आयोजकों के अनुसार, सूत में तैयार की गई चुनरी पर लगभग दो लाख सलमा-सितारों, गोटे और मोती लगाए गए थे। कारीगरों द्वारा तैयार की गई इस चुनरी ने धार्मिक आयोजन के साथ विभिन्न समुदायों के कारीगरों की सहभागिता और आपसी सौहार्द का संदेश भी दिया।

यात्रा में अनेक संत-महात्मा बगिचों में सवार होकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हुए चले। इनमें हनुमान मंदिर के गौरीपति श्री पवनानंद जी महाराज, श्री पंचकड्डिया श्रीराम मंदिर के संत श्री रामगोपाल दास महाराज, पंचभूषण श्री गोकुलेश्वर जी महाराज, स्वामी श्री चिन्मयानंद जी

सरस्वती, श्री 1008 गोस्वामी ब्रजोत्सव जी महाराज, महात्मा संत श्री राधे-राधे बाबा, अखंड धाम आश्रम के महामंडलेश्वर चेतन स्वरूप जी महाराज, महामंडलेश्वर संत श्री दादू महाराज, श्री पवन शर्मा और श्री गोपाल दास जी महाराज सहित अनेक संत शामिल रहे।

यात्रा में प्रदेश संयोजक धीरज खंडेलवाल, महेश पालीवाल, मानसिंह यादव, पूर्व महापौर उमाशशि शर्मा, महापौर परिषद के सदस्य निरंजन सिंह चौहान, अश्विनी शुक्ल, महेश चौधरी, शिखा सदीप दुबे, बरखा नितिन मालू, संध्या यादव, राहुल जायसवाल और नितिन कश्यप सहित अनेक नेताओं ने श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। इस दौरान श्रद्धालुओं को सनातन धर्म को सशक्त बनाने और सामाजिक एकता को मजबूत करने का संकल्प भी दिलाया गया।

इंदौर की स्वच्छता की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यात्रा के दौरान विशेष प्रबंध किए गए। आयोजकों ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण में लगातार आठ बार देश में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले इंदौर की गरिमा को ध्यान में रखते हुए चुनरी यात्रा के पीछे स्वच्छता प्रहरियों की टीम तैनात रही। नगर निगम के स्वच्छता प्रभारी अश्विनी शुक्ल के नेतृत्व में टीम बड़ा गणपति मंदिर से मां बिजासन मंदिर तक पूरे मार्ग की सफाई करते हुए आगे बढ़ी। धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता, जनभागीदारी और स्वच्छता के संदेश के साथ संपन्न हुई विशाल चुनरी यात्रा ने नवरात्रि के उत्सव को भव्य स्वरूप प्रदान किया।

इंदौर को स्वास्थ्य के क्षेत्र में मिली बड़ी सौगात



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर को आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़ी सौगात मिली है। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने पीपीपी मॉडल (पब्लिक, प्रायवेट, पार्टनरी) योजना के तहत श्री अरविन्दो हॉस्पिटल के सहयोग से शासकीय एम.वाय.हॉस्पिटल के न्यू कैसर हॉस्पिटल ब्लॉक में 5 ब्कड-एड्डेड स्लैब एड्डेड स्लैब का शुभारंभ किया। इस अवसर पर संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में तेज गति से र्वास्थ्य सुविधाओं का वृिस्तार किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में प्रदेश के चार अन्य मेडिकल कॉलेजों, गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल, गजराजका मेडिकल कॉलेज ग्वालियर, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर और स्याम शाह मेडिकल कॉलेज रीवा में भी इसी तरह के अत्याधुनिक सेंटर स्थापित किये जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी काफी प्रगति हुई है। प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के तहत आम आदमी का उपचार भी सुलभ हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि इस तरह के सेंटर अत्याधुनिक मेडिकल स्थापित होने से गंभीर बीमारियों के इलाज में बेहद मदद मिलेगी। मरीजों का त्वरित निदान और उपचार होगा,जिससे उनके जीवन की रक्षा की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि इंदौर स्वच्छता, स्वास्थ्य और उद्योग के क्षेत्र में प्रदेश और देश में अग्रणी है और अब सेवा और परमार्थ के क्षेत्र में भी इंदौर नए रिकॉर्ड बना रहा है। अब कैसर के मरीजों को उपचार के लिए कहीं बाहर नहीं जाना पड़ेगा। आने वाले दिनों में इस सेंटर का और विस्तार किया जाएगा और इस तरह की स्वास्थ्य सुविधा प्रदेश के अन्य जिलों में भी उपलब्ध होगी।

नवरात्रि आयोजनों पर इंदौर पुलिस की पैनी नजर, 15 शक्ति मोबाइल टीमों लगातार सक्रिय; जरूरतमंदों की मदद से लेकर असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई तक

गरबा पंडालों, मंदिरों और मेलों में पेट्रोलिंग के साथ ड्रोन से निगरानी, बीमार बालिका और सड़क हादसों में घायलों को पहुंचाया अस्पताल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवरात्रि पर्व के दौरान महिलाओं की सुरक्षा, श्रद्धालुओं की सुविधा और धार्मिक आयोजनों में सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए इंदौर पुलिस लगातार सक्रिय है। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में शहर के सभी थाना क्षेत्रों में महिला पुलिस बल सहित 15 शक्ति मोबाइल टीमों प्रमुख मंदिरों, धार्मिक स्थलों, गरबा पंडालों और मेलों के आसपास सतत पेट्रोलिंग कर रही हैं। पुलिस द्वारा सदिध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ जरूरतमंदों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इसी क्रम में बीती रात शक्ति मोबाइल की विभिन्न टीमों ने तत्परता दिखाते हुए कई लोगों की मदद की और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई की।

पेट्रोलिंग के दौरान पीसीआर-14 की टीम को कलेक्टर कार्यालय पेट्रोल पंप क्षेत्र में मुंबई से आई एक युवती के मित्र और परिजन परेशान दिखाई दिए। वे सराफा चौपाटी से लौट रहे थे, तभी उनके वाहन में पेट्रोल समाप्त हो गया। स्थिति को देखते हुए पुलिस टीम ने उन्हें पेट्रोल पंप तक पहुंचाया



सहायता की। नवरात्रि के गरबा आयोजन के दौरान भी शक्ति मोबाइल की टीमों ने तत्परता दिखाई। पीसीआर-13 ने सादगी गरबा आयोजन में अचानक अस्वस्थ हुई एक बालिका को उपचार के लिए यूनिट हॉस्पिटल पहुंचाया। टीम ने बालिका को भाई को भी जरूरत पड़ने पर संपर्क करने के लिए शक्ति मोबाइल का नंबर उपलब्ध कराया।

इसी तरह, शक्ति मोबाइल पीसीआर-2 ने एक घायल व्यक्ति को उपचार के लिए एमवाय अस्पताल पहुंचाया। वहीं, पीसीआर-4 की टीम ने रासंद्र नगर क्षेत्र में पेट्रोलिंग के दौरान सड़क किनारे घायल अवस्था में मिले

व्यक्ति को आदित्य हॉस्पिटल में भर्ती कराया। पुलिस की इन त्वरित कार्रवाइयों से जरूरतमंदों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध हो सकी।

महिला सुरक्षा और साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए भी पुलिस ने अभियान चलाया। पीसीआर-4 की टीम ने कृष्णा पैराडाइज में आयोजित गरबा कार्यक्रम के दौरान महिलाओं, बच्चों और अन्य नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए। साथ ही शक्ति मोबाइल की कार्यप्रणाली की जानकारी देकर जागरूकता पंपलेट वितरित किए।

दूसरी ओर, सदिध गतिविधियों पर निगरानी के दौरान पीसीआर-3 की टीम ने गोमातगिरी के पास शैडो एरिया में स्कूटी पर शराब पीते मिले दो सदिध व्यक्तियों को चेक किया। पुलिस के अनुसार, मौके पर बच्चों की मौजूदगी में शराब सेवन की स्थिति सामने आने पर संबंधित व्यक्ति को शराब पीकर वाहन चलाने के मामले में मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई के लिए गांधी नगर थाने पहुंचाया

गया।

महिला सुरक्षा के मद्देनजर कार्रवाई करते हुए महिला शक्ति पीसीआर-5 की टीम ने नंदा नगर की गली नंबर 13 में गरबा स्थलों की चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति को चाकू के साथ पकड़ा। इसके बाद थाना परदेशीपुरा पुलिस को मौके पर बुलाकर आरोपी को उसके सुपुर्द कर दिया गया।

सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए शहर के विभिन्न गरबा पंडालों, मंदिरों और मेलों में पेट्रोलिंग के साथ ड्रोन के माध्यम से भी निगरानी की गई। पुलिस टीमों सदिध गतिविधियों पर नजर रख रही हैं, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके।

गांधी नगर थाना क्षेत्र के बड़ा बांगड़ा गांव स्थित नई दुर्गा पंडाल में पीसीआर-3 की टीम ने गरबा कर रही बालिकाओं को महिला सुरक्षा और आपातकालीन सहायता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारीयां दीं। बालिकाओं को शक्ति मोबाइल की कार्यप्रणाली समझाने के साथ साइबर हेल्पलाइन 1930, घायल-112 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के बारे

में बताया गया। इस दौरान जागरूकता पंपलेट भी वितरित किए गए।

धार्मिक आयोजनों के दौरान यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी पुलिस ने विशेष प्रयास किए। पीसीआर-1 की टीम ने कालका माता मंदिर के पास सड़क पर अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों को व्यवस्थित पार्क कराने के लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से अनाउंसमेंट किया। साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को नियमानुसार चलानी कार्रवाई की चेतावनी देकर यातायात सुचारू कराया।

इंदौर पुलिस का कहना है कि नवरात्रि के दौरान प्रत्येक धार्मिक आयोजन को सुरक्षित बनाने, महिलाओं और बालिकाओं में सुरक्षा का भरोसा कायम रखने तथा जरूरतमंदों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने के लिए शक्ति मोबाइल की टीमें लगातार सक्रिय रहेंगी। पेट्रोलिंग, ड्रोन निगरानी, जनजागरूकता और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई के माध्यम से पुलिस त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित बनाने के लिए प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर स्मारक के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने आज इंदौर प्रवास के दौरान लालबाग पैलेस के समीप निर्माणाधीन लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर स्मारक के विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने

ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्मारक का समग्र विकास करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लालबाग पैलेस, रामपुर कोठी,चंचा बावड़ी और शिव मंदिर को एकीकृत विकास योजना में शामिल किया जाए, ताकि पर्यटक इन सभी ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का एक साथ अवलोकन कर सकें।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने ऐतिहासिक रामपुर कोठी के जीर्णोद्धार कार्यों का अवलोकन किया। भवन की ऐतिहासिक पहचान बनाए रखने के लिए पारंपरिक चूना तकनीक से बाहरी दीवारों का संरक्षण तथा छतों पर वाटरप्रूफिंग का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने निर्देश दिए कि संरक्षण के दौरान भवन के मूल स्थापत्य स्वरूप और ऐतिहासिक महत्व को सुरक्षित रखते हुए आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि निर्माण कार्यों के प्रगति की सतत रूप से उन्हें जानकारी दी जाए तथा निर्धारित समय अवधि में कार्य पूर्ण किया जाए।

पुराने आरटीओ भवन एवं रामपुर कोठी की भूमि पर विकसित किए जा रहे इस स्मारक की अनुमानित लागत लगभग 150 करोड़ रुपये है। इसके प्रथम चरण में करीब 40 करोड़ रुपये के कार्य प्रस्तावित हैं। परियोजना का उद्देश्य लोकमाता अहिल्याबाई के जीवन,न्यायप्रियता,सुशासन,जनसेवा और सांस्कृतिक योगदान को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना है। 3डी प्रोजेक्शन, लाइट एंड साउंड शो और संग्रहालय होंगे आकर्षण - स्मारक में आधुनिक तकनीक के माध्यम से लोकमाता अहिल्याबाई के जीवन और योगदान को प्रदर्शित करने की योजना है। इसके अंतर्गत डिजिटल प्रस्तुतियां, 3डी प्रोजेक्शन,चित्र एवं म्यूल्स,लाइट एंड साउंड शो तथा संग्रहालय विकसित किए जाएंगे। इसके माध्यम से विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और पर्यटकों को उनके सुशासन,न्यायप्रियता, जनकल्याणकारी कार्यों तथा भारतीय संस्कृति के संरक्षण में योगदान को जानने का अवसर मिलेगा।

नवरात्रि का पर्व देता है समाज में एकता और सद्भाव का संदेश : मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव

इंदौर में निकली विशाल चुनरी यात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ.यादव-प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवरात्रि के पावन पर्व पर इंदौर में आज भक्ति, आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव प्रसिद्ध बड़ा गणपति मंदिर से प्रारंभ हुई विशाल चुनरी यात्रा में शामिल हुए। यह यात्रा विभिन्न कार्यों से होती हुई

एरोड्रम क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध बिजासन माता मंदिर पहुंची,जहां यात्रा का समापन हुआ। यात्रा में बड़ी संख्या में माताओं-बहनों और श्रद्धालुओं ने उत्साह एवं श्रद्धा के साथ सहभागिता की। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा और स्वागत के माध्यम से यात्रा का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने चुनरी यात्रा को संबोधित करते हुए माता रानी के जयकारे के साथ सभी को नवरात्रि पर्व की

शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मां दुर्गा की आराधना का यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख,शांति,वैभव और आनंद लेकर आए। मां के आशीर्वाद से सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों तथा प्रदेश में सुख-समृद्धि और खुशहाली का वातावरण बना रहे।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि नवरात्रि का महापर्व हमें मां दुर्गा की आराधना के साथ जीवन में शक्ति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने की प्रेरणा देता है। मां की

कृपा सभी पर बनी रहे और आने वाले दशहरे एवं दीपावली के पर्व सभी के जीवन में खुशियां लेकर आए। उन्होंने उपस्थित जन्मसमुदाय से जयकारे लगवते हुए मां के प्रति अपनी श्रद्धा और आस्था व्यक्त की। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने चुनरी यात्रा के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विज्ञान भी नतमस्तक: जहाँ व्हीलचेयर पर आते हैं पीड़ित और पैरों पर चलकर जाते हैं घर

महाअछी पर उमड़ा देश के कोने-कोने से श्रद्धालुओं का सैलाब, आरोग्य बावड़ी के अमृत जल और अखंड ज्योति के दर्शन से कट रहे असाध्य रोग

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा-मेवाड़ अंचल की साक्षात वैष्णो देवी के रूप में पूजनीय, नीमच जिले की महामाया भादवा माता का दरबार इन दिनों आस्था के चरम पर है। महाअछी के पावन अवसर पर यहाँ आस्था, विश्वास और साक्षात चमत्कारों का ऐसा त्रिवेणी संगम देखने को मिल रहा है, जिसे देखकर आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और बुद्धिजीवी भी नतमस्तक हैं। देश के कोने-कोने से यहाँ अपनी झोली फैलाने आ रहे पीड़ितों के मुख से केवल एक ही बात निकल रही है- मैया के दर से कोई खाली हाथ नहीं जाता!

श्रद्धा की डोर और मंत्रत का धागा- भादवा माता के इस जागृत दरबार में पहुँचते ही हर तरफ श्रद्धा की डोर और मंत्रत का धागा बंधा हुआ दिखाई देता है। मंदिर की जालीदार दीवारों और प्राचीन कुशों पर बंधा हर एक धागा भक्तों की अटूट उम्मीदों की गवाही देता है। यहाँ अमीर हो या गरीब, हर वर्ग का पीड़ित एक समान बैठकर मां की भक्ति में लीन रहता है। मान्यता है कि जो भी भक्त अपनी मुगद लेकर



यहाँ मंत्रत का धागा बांधता है, मां उसकी अर्जी तुरंत स्वीकार करती हैं। मैया सबकी सुनती हैं और हर पीड़ित को एक नया जीवन देकर यहाँ से विदा करती है।

लकवे के पीड़ितों के लिए साक्षात डॉक्टर हैं मां भादवा-भादवा माता का सबसे बड़ा और

जीवंत चमत्कार यहाँ रोज़ देखने को मिलता है। जो पीड़ित बड़े-बड़े अस्पतालों और डॉक्टरों से थक-हारकर, दूसरों के कंधों या व्हीलचेयर के सहारे बेबस होकर इस चौकट पर आते हैं, वे माता की भस्म (विभूति) और आशीर्वाद से कुछ ही दिनों में अपने पैरों पर दौड़ते हुए घर लौटते हैं। यही कारण है कि भक्त माता रानी को लकवाग्रस्त रोगियों की डॉक्टर कहते हैं। यहाँ आस्था का यह आलम है कि आँखों की रेशनी जाने से परेशान लोग हों या मूक-बधिर, मां की दया से सबकी मुगद पूरी हो रही है।

संजीवनी है आरोग्य बावड़ी का चमत्कारी जल- मंदिर परिसर में स्थित प्राचीन आरोग्य बावड़ी (अमृत कुंड) का जल किसी संजीवनी बूटी की तरह काम करता है। मान्यता है कि यहाँ लगातार नियम से रहने और इस पवित्र कुंड के जल से स्नान करने से शरीर के भयंकर से भयंकर चर्म रोग, कोढ़ और पोलियो जैसी बीमारियाँ जड़ से समाप्त हो जाती हैं। इसके साथ ही गर्भगृह में सदियों से प्रचलित अखंड ज्योति के दर्शन मात्र से भक्तों की मानसिक और शारीरिक व्याधियाँ पल भर में

दूर हो जाती हैं।

रात को अदृश्य रूप में फेरी लगाती हैं मैया- लोक-आस्था और यहाँ महीनों से डेरा डाले श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास है कि मां भादवा आज भी हर रात अदृश्य रूप में मंदिर परिसर में घूमती हैं (फेरी लगाती हैं) और खुले आसमान के नीचे सो रहे असाध्य रोगियों व पीड़ितों पर अपनी अमृतमयी दृष्टि डालती हैं। मूक पशु-पक्षी भी होते हैं भक्ति में लीन- मंत्रत पूरी होने पर भक्तों द्वारा यहाँ जीवित मुर्गे और बकरे छोड़ने की अनोखी परंपरा है। माता के इस जागृत दरबार का एक और विहंगम दृश्य तब देखने को मिलता है, जब महाआरती के समय ये मूक पशु-पक्षी भी ईंसानों की तरह एकदम शांत होकर मां की भक्ति में तल्लीन दिखाई देते हैं।

महाअछी के इस पावन पर्व पर मैया का अलौकिक श्रृंगार किया गया है और पूरा परिसर जय माता दी के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान है। यदि आप भी जीवन के कष्टों से त्रस्त हैं, तो मां का यह दरबार आपके स्वागत के लिए तैयार है।

मंदसौर में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद व राष्ट्रीय बजरंग दल ने श्रद्धा और उत्साह से की महाआरती एवं शस्त्र पूजन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल जिला मंदसौर के तत्वावधान में माता की महाआरती एवं शस्त्र पूजन का भव्य कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने माता की महाआरती कर धर्म, संस्कृति तथा राष्ट्र की रक्षा का सामूहिक संकल्प लिया। इसके साथ ही भारतीय सनातन परंपरा, शौर्य एवं वीरता के प्रतीक शस्त्रों का विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ पूजन किया गया।

इस आयोजन में परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष पं. जितेंद्र व्यास, रावत, जिला अध्यक्ष विनोद जाट, जिला महामंत्री गोपाल सिंह राजावत, जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, विकास सिंह रावत, कुंदन राठौर, निशांत शर्मा, शुभम तलवेचा, श्याम लाल शर्मा, अजय सोनगर, दीपक



तोमर, कमलेश मेहता, कैलाश मालवीय, बंसीलाल मालवीय, ओमप्रकाश मिश्रा और पंकज प्रखवाल सहित संगठन के अनेक प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता विशेष रूप से मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष विनोद जाट ने कहा कि भारत के हर घर में शस्त्र पूजन की सनातन परंपरा को पुनः जागृत किया जाए। शस्त्र केवल हमारी आस्था और शक्ति के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र की अखंडता की रक्षा का आधार भी हैं। हमारी महान देश की परंपरा हमें सिखाती है कि शांति बनाए रखने के लिए सामर्थ्यवान होना आवश्यक

सांस्कृतिक जागरूकता, आपसी सद्भाव और संगठनात्मक एकता को सुदृढ़ बनाते हैं। वक्ताओं ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि उन्हें अपनी समृद्ध संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं से जुड़कर राष्ट्रहित तथा समाजसेवा के कार्यों में अपनी सक्रिय और अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। अंत में उपस्थित सभी पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं ने धर्म, संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा के साथ समाज में सकारात्मकता, सेवा एवं श्रुतत्व की भावना को मजबूत करने का दृढ़ संकल्प लिया।

वसीयत की जमीन पर कब्जे को लेकर बवाल, मारपीट का आरोप

हिंगोरिया में 100-150 लोगों के साथ पहुंचने का दावा, विधायक और एसपी के नाम एससी को सौंपा ज्ञापन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के हिंगोरिया गांव में वसीयत से मिली कृषि भूमि पर कब्जे के विवाद ने तूल पकड़ लिया है। मनीष कब्जाधारी ने भाजपा नेता रोशन वर्मा और उनके साथ आए लोगों पर जबरन कब्जे के प्रयास, मारपीट और धमकियां देने के आरोप लगाए हैं। मामले में विधायक दिलीपसिंह परिहार एवं पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन एससी हेमलता अग्रवाल को सौंपकर निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की गई है। गौरतलब है कि आवेदन के अनुसार, मनीष कब्जाधारी पिता चंद्रशेखर को वसीयत में मिली सर्वे नंबर 68 और 427/1 की कृषि भूमि, दोनों का रकबा 0.219-0.219 हेक्टेयर बताया गया है।



आवेदक का दावा है कि उक्त भूमि पर पिछले 25 वर्षों से उसका कब्जा है। जमीन को लेकर न्यायालय में प्रकरण भी विचारधीन है।

लिपे दबाव बनाया जा रहा है। दोनों में सुनवाई नहीं होने का आरोप- आवेदन के मुताबिक, घटना के बाद पीड़ित

100 से 150 लोगों के साथ पहुंचकर मारपीट का आरोप- आवेदन में आरोप लगाया गया है कि भाजपा नेता एवं नमो रूपा से जुड़े रोशन वर्मा 100 से 150 लोगों के साथ जमीन पर पहुंचे और कब्जे का प्रयास किया। उस दौरान खेत पर अकेले मौजूद मनीष के साथ गाली-गलौज और मारपीट किए जाने का आरोप भी लगाया गया है। पीड़ित कहना का कहना है कि न्यायालय में विवाद लंबित होने के बावजूद जमीन पर कब्जे के

पक्ष बघाना थाने पहुंचा, लेकिन उनकी शिकायत दर्ज नहीं की गई। वहीं, रोशन वर्मा के साथ बड़ी संख्या में लोगों के थाने पहुंचने पर दूसरे पक्ष की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई। मनीष के पिता चंद्रशेखर, जितेंद्र नागदा, अर्जुन नागदा और मुन्ना नागदा को थाने में बैठए जाने का आरोप भी लगाया गया है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। झूठे मामलों में फंसाने की धमकी का आरोप- आवेदन में पीड़ित परिवार को एससी-एसटी एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के मामलों में फंसाने तथा जान से मारने की धमकियां मिलने की आशंका भी जताई गई है। ज्ञापन के माध्यम से परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दौषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

सुवासरा में युवक पर चाकू से हमला, साढ़े सात घंटे तक रुनिजा रोड जाम, थाना प्रभारी की कार्यशैली पर उठे सवाल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुवासरा नगर के रुनिजा रोड पर रविवार सुबह मामूली विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। दुकान पर बैठे एक युवक पर दिग्दंष्ट्राड़े पिता-पुत्र ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। घटना के विरोध में बंजारा समाज और परिजनों ने आरोपियों के घर बुलडोजर चलाने और तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर सुबह 10-30 बजे से रुनिजा रोड पर चक्का जाम कर दिया, जो करीब 7.5 घंटे तक चला। बाद में सीतामऊ एसडीओपी दिनेश प्रजापत द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन विशेष टीमों के गठन और सख्त कार्रवाई के आश्वासन के बाद आधिकार शाप को करीब साढ़े सात घंटे चला जाम समाप्त हुआ और यातायात बहाल किया गया। मामले में घायल की हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

पुलिस के अनुसार ?रविवार सुबह करीब 9-30 बजे रुनिजा रोड पर विक्रम पिता बद्रीलाल बंजारा अपनी दुकान पर बैठा था। तभी उसी मोहल्ले के विक्रम पिता किशन बंजारा और उसके बेटे दिलीप बंजारा ने आपसी विवाद के चलते उसके पेट पर थारदार चाकू से जानलेवा हमला कर दिया और फरार हो गए। गंभीर हालत में पीड़ित



को मंदसौर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। उभर ?घटना से आक्रोशित परिजनों और समाजजनों ने सुबह 10-30 बजे से रुनिजा रोड पर चक्का जाम कर दिया। इस दौरान प्रदर्शन स्थल पर

भाजपा नेता संदीप वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ. बालाराम परिहार सहित कई लोग पहुंचे और स्थिति की जानकारी ली। आला अधिकािरयों ने संभाला मोर्चा, थाना प्रभारी की भूमिका पर सवाल- विरोध प्रदर्शन के दौरान गरोट एडिशनल एसपी रामखेही मिश्रा और सीतामऊ एसडीओपी दिनेश प्रजापत ने मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला और स्थिति को नियंत्रित किया। हालांकि, इस दौरान सुवासरा थाना प्रभारी भगवान दास बीरा परिजनों को समझाइश देने के बजाय बगले झांकते नजर आए, जिससे उनकी कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठे। ?सीतामऊ एसडीओपी दिनेश प्रजापत ने बताया कि तीन विशेष टीमें बनाई है। शामगाढ़, गरोट, सुवासरा के साथ नीमच में भी छानबीन की जा रही है।

मंदसौर जिले में अमानक खाद-बीज कारोबार पर उपजे सवाल, कांग्रेस ने भी उठाया मुद्दा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर जिले में इन दिनों खेती-किसानी के लिए सबसे जरूरी खाद और बीज की गुणवत्ता पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। जिले के ग्रामीण अंचल क्षेत्र से लगातार अमानक खाद-बीज बेचे जाने की शिकायतें मिल रही हैं। किसानों का आरोप है कि बाजार में महंगे दामों पर जो डीपी, यूरिया और बीज बेचे जा रहे हैं, वे मानक स्तर के नहीं हैं। सूचों के मुताबिक कुछ लोग बिना बिल के और बिना लाइसेंस की भी माल बेच रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी छोटे और सीमांत किसानों को हो रही है, जो कर्ज लेकर खाद-बीज खरीदते हैं। फसल खराब होने पर उनके सामने कर्ज चुकाने का संकट खड़ा हो जाता है। किसानों ने मांग की है कि कृषि विभाग की टीम गांव-गांव जाकर दुकानों की जांच करे, सदिग्ध स्टॉक को सीज करे और सैपल लेकर लेब में जांच कराए। इस कार्रवाई में सरकारी सेवक की सलिप्तता पाई जाती है तो उस पर कार्रवाई की जाए। साथ ही जिन दुकानों पर बिना बिल के माल बेचा जा रहा है, उन पर तत्काल कार्रवाई की जाए। बता दें कि मंदसौर जिले में खाद बीज बनाने के कारखाने



तक खुल गए हैं, जिनके दावों की भी जांच की जाना चाहिए।

मंदसौर जिले में नकली खाद-बीज की बिक्री पर तत्काल रोक लगे, किसानों की शिकायतों की निष्पक्ष जांच हो - महेंद्र गुर्जर

मंदसौर। मंदसौर जिले में नकली खाद-बीज की बिक्री को लेकर जिले भर से किसानों की शिकायतें सामने आ रही हैं। यह स्थिति किसानों के हितों और कृषि व्यवस्था की पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए नकली खाद-बीज की बिक्री पर तत्काल रोक लगाने तथा पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दौषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।

श्री गुर्जर ने कहा कि किसान अपनी मेहनत, बहुमूल्य समय और पूंजी लगाकर फसल तैयार करता है। ऐसे में यदि उसे नकली खाद-बीज मिलता है, तो उसकी मेहनत और आर्थिक सुरक्षा

पर गंभीर संकट खड़ा हो सकता है। किसानों के साथ इस प्रकार की धोखाधड़ी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि जिले भर से किसानों की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिनसे बहद चिंताजनक है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि कृषि विभाग की निगरानी में नकली खाद-बीज की बिक्री कैसे हो रही है और किसानों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई हो तथा कृषि विभाग की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच की जाए। जांच में दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में किसानों के साथ इस प्रकार की धोखाधड़ी न हो। श्री गुर्जर ने कहा कि अन्रदाता किसानों के हक, सम्मान और हितों की रक्षा सर्वोपरि है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री गुर्जर ने मांग की कि जिले में खाद-बीज विक्रेताओं की नियमित जांच की जाए, सदिग्ध उत्पादों के नमूने लेकर उनकी गुणवत्ता की जांच कराई जाए, किसानों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई हो तथा कृषि विभाग की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच की जाए। जांच में दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में किसानों के साथ इस प्रकार की धोखाधड़ी न हो। श्री गुर्जर ने कहा कि अन्रदाता किसानों के हक, सम्मान और हितों की रक्षा सर्वोपरि है।

पिपलियामंडी पुलिस ने गुड़भेली बड़ी के निकट बायपास पर बाइक सवार एक युवक को पकड़ा। टीआईअई विक्रमसिंह इनने ने बताया तलाशी के दौरान उसके पास बेग से 30 किलो डोडाचूरा बरामद हुआ। पुछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान रायपुरा, जिला फाजिल्का (पंजाब) निवासी मंगा (27) पिता भोदू राजपूत होना बताई। पुछताछ में आरोपी ने बताया वह डोडाचूरा किससे लेकर आया था, यह नहीं बता पा रहा है। आरोपी को एनडीपीएस एक्ट कोर्ट में पेश किया गया, जिसे 21 अक्टूबर तक पुलिस रिमाण्ड पर सौंपने के आदेश हुए है। दोनों मामलों में पुलिस ने डोडाचूरा, बाइक, कार जब्त कर आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 में केस दर्ज किया।

धर दूसरे मामले में मेघवाल (निवासी- ग्राम कचोली, थाना जौरन)

4. अल्केश पंवार पिता जितेन्द्र पंवार (निवासी- स्टार सिटी कॉलोनी, महू रोड, नीमच)

यह सामग्री हुई जब्त- पुलिस ने आरोपियों के पास से विभिन्न नशों के 62 एटीएम कार्ड, 09 पासबुक, 08 चेकबुक, 01 एटीएम स्वेप मशीन, 08 मोबाइल फोन, 01 लैपटॉप, 01 मैकबुक, 01 हुंडई ऑरा कार और 251,500 की नकदी जब्त की है। पुलिस ने थाना नीमच सिटी पर अपराध क्रमांक 555/2026 के तहत बीएनएस की धारा 318(4), 319(2) एवं 66 डी आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सराहनीय भूमिका- इस अंधे मोड़ का पर्दाफाश करने में उप निरीक्षक शिवराजसिंह, उप निरीक्षक शिशुपालसिंह, प्रधान आरक्षक अजीतसिंह, प्रशांत जयंत, आदित्य गौड़, नीरज साहु, आरक्षक लखनप्रताप सिंह, कुलदीपसिंह, लक्ष्मी शुक्ला, राजेश चौधरी और महिला आरक्षक मोनिका परिहार की सराहनीय भूमिका रही।

थाना गरोट की कार्रवाई : पिकअप में खाली कैरेटों के नीचे स्कीम में मिला 220 किलो डोडाचूरा, तीन आरोपी धराए



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गरोट थाना प्रभारी उपनिरीक्षक बलवीर सिंह यादव एवं उनकी टीम ने पिकअप में खाली कैरेटों के नीचे स्कीम बनाकर 220 किलो डोडाचूरा परिवहन का खुलासा किया है। मामले में तीन आरोपी धराए हैं। छानबीन टीम में सर्वजि बलवान सिंह देवड़ा व अन्य शामिल रहे।

घटना अनुसार दिनांक 18 अक्टूबर को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि एक सफेद रंग की पिकअप जिसके आगे पोछे टीओ 726 पीबी 5198 ई नम्बर लिखा है, जिसमें चालक पिकअप के डाले में प्लास्टिक की खाली कैरेट रखकर कैरेटों के नीचे प्लास्टिक के कट्टों में अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा लेकर पिपल्या जट्टी की तरफ से गरोट होते हुए 8 लेन तरफ जाने वाला है। मुखबिर सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी सुरेन्द्र सिंह पिता रामेश्वर उग्र-26 साल निवासी चंदोई थाना इस्लामनगर जिला बदरगूं उ.प्र. हा.मु. ग्राम मौजुवाल थाना नंगल डेम 2 सेक्टर जिला रोपड़ (रूपनगर) पंजाब एवं रामशरण पिता दयाराम उग्र-21 साल निवासी ग्राम लांवर थाना गुनौर जिला संभल उ.प्र. हा.मु. लोगंड थाना बिशानपुरा जिला मोहाली पंजाब को पकड़ गया। पिकअप में 11 काले रंग के प्लास्टिक के कट्टों में 220 किलो डोडाचूरा निकला। मामले में थाना गरोट पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8,15 में प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपीगणों से डोडाचूरा के स्रोत के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

सम्पादकीय

सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट के पिछड़े वर्ग संबंधी सात मुस्लिम आरक्षण के फैसले को सही माना

सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में साफ कर दिया कि यदि अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग का कोई व्यक्ति मतांतरण कर आरक्षण का लाभ लेता है तो वह संविधान सम्मत नहीं है। अतएव आरक्षण का हकदार नहीं होगा। हालांकि यही फैसला मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडू सरकार के उस अहम् आदेश को रद्द करके दिया था, जिसके तहत हिंदू धर्म के पिछड़े, अति पिछड़े या अनुसूचित जाति वर्ग के लोग इस्लाम अपनाते के बाद भी ‘पिछड़े वर्ग मुस्लिम’ का जाति प्रमाण पत्र ले सकते थे। सरकारी नौकरी और शिक्षा में आरक्षण पा लेने की इस सुविधा को अब पेशा न्यायालय ने दो दृढ़ षब्दों में असंवैधानिक ठहरा दिया है। अदालत ने कहा है कि मतांतरण के बाद हिंदू सामाजिक व्यवस्था से किसी गैर-हिंदू सामाजिक व्यवस्था में मतांतरण करने वाला व्यक्ति अपने पुराने सामाजिक पिछड़ेपन के आधार पर संविधान के अनुच्छेद-16 (4) के तहत आरक्षण पाने का दावा नहीं कर सकता। अदालत ने साफ किया कि इस्लाम स्वीकार कर लेने मात्र से कोई व्यक्ति राज्य के अधिसूचित मुस्लिम पिछड़ा वर्ग समुदायों में किसी एक का भी सदस्य नहीं बन सकता है। मतांतरण से पहले की जातिगत या संप्रदायगत पहचान को अपने आप किसी दूसरे धर्म के पिछड़ा वर्ग समुदाय में स्थानंतरित नहीं किया जा सकता है। इसके आरक्षण के लाभ के अधिकारी केवल हिंदू, सिख और बौद्ध हैं। यह ऐतिहासिक फैसला न्यायामूर्ति प्रणांत कुमार मिश्रा और चंद्रपेखर की पीठ ने सुनाया है।

उच्च न्यायालय मद्रास की पीठ ने तमिलनाडू सरकार के उस अहम् आदेश को रद्द कर दिया था, जिसके तहत हिंदू धर्म के पिछड़े, अति पिछड़े या अनुसूचित जाति वर्ग के लोग इस्लाम अपनाने के बाद भी ‘पिछड़े वर्ग मुस्लिम’ का जाति प्रमाण पत्र ले सकते थे। सरकारी नौकरी और शिक्षा में आरक्षण पा लेने की इस सुविधा को न्यायालय ने दो दृढ़ षब्दों में असंवैधानिक माना था। अदालत ने कहा था कि धर्म बदलने वाला व्यक्ति ‘पिछड़ा वर्ग मुस्लिम’ का दर्जा मांगने का अधिकार नहीं रखता है। क्योंकि मुस्लिम समाज में भी अलग-अलग समुदाय और वर्ग होते हैं, परंतु उनकी पदचान जन्म से तय होती है न कि धर्म परिवर्तन से ? अदालत ने यह भी कहा था कि इस्लामिक उपदेशक और ईसाई मिशनरियां सदियों से यह प्रचार करती आई हैं कि उनके धर्मों में सामाजिक समानता है, जबकि हिंदू धर्म में जाति व्यवस्था एक बुनियादी विसंगति है। अतएव धर्म परिवर्तन के लिए ऐसा रुख अपनाने के बाद यह कहना बेईमानी है कि इस्लाम में भी ऊंच-नीच या वर्गभेद है। हमारी राय में कुछ मुस्लिम समुदायों को पिछड़ा और कुछ को अगड़ा मानना कुरान की शिक्षाओं के खिलाफ है। दरअसल इस्लाम एक ऐसा समाज बनाता चाहता है, जिसमें सब का दर्जा एक समान रहे। यह फैसला न्यायामूर्ति जीआर स्वामीनाथन और पीबी बालाजी की पीठ ने दिया था।

इस मामले में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने तमिलनाडू सरकार के तीन मार्च 2024 के आदेश को आधार बनाया था। जिसमें आरक्षित श्रेणियों से धर्मांतरित लोगों को तमिलनाडू में अधिसूचित सात पिछड़े वर्ग के मुस्लिम समूहों में से एक से संबंधित होने का सामुदायिक प्रमाण-पत्र जारी किया जा सकता था। सरकार ने अपने आदेश में यह प्रविधान किया था कि अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग या डी-नोटिफाइड समुदायों से आने वाले व्यक्ति यदि इस्लाम धर्म अपनाते हैं तो उन्हें पिछड़ा वर्ग मुस्लिम की श्रेणी में आरक्षण का लाभ दिया जा सकता है। इस सिलसिले में सरकार का तर्क था कि धर्म परिवर्तन करने वाले लोगों के अधिकार सुरक्षित रहेंगे और सामाजिक संतुलन बना रहेगा। किंतु अदालत ने कहा कि आरक्षण का आधार धर्म नहीं बल्कि, सामाजिक और वैश्विक पिछड़ापन है।

संविधान के तीसरे अनुच्छेद, अनुसूचित जाति आदेश 1950 जिसे प्रेसिडेंशियल ऑर्डर के नाम से भी जाना जाता है, के अनुसार केवल हिंदू धर्म का पालन करने वालों के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति को अनुसूचित जाति की श्रेणी में नहीं माना जाएगा। इसी तान्त्रय में पिछले पचास सालों से दलित ईसाई और दलित मुसलमान संघर्षरत रहते हुए हिंदू अनुसूचित जातियों को दिए जाने वाले अधिकारों की मांग करते चले आ रहे हैं। वर्तमान में मुसलमान, सिख, पारसी, ईसाई और बौद्ध भी अल्पसंख्यक दायरे में आते हैं। जबकि जैन, बहाई और कुछ दूसरे धर्म-समुदाय भी अल्पसंख्यक दर्जा हासिल करना चाहते हैं। लेकिन जैन समुदाय केन्द्र द्वारा अधिसूचित सूची में नहीं है। इसमें भाषाई अल्पसंख्यकों को अधिसूचित किया गया है, धार्मिक अल्पसंख्यकों को नहीं। सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के मुताबिक जैन समुदाय की भी अल्पसंख्यक माना गया है। परंतु इन्हें अधिसूचित करने का अधिकार राज्यो को है, केंद्र नहीं। इन्हीं वजहों से आतंकवाद के चलते अपनी ही पुरतैनी जमीन से बेदखल कश्मीरी पंडित अल्पसंख्यक के दायरे में नहीं आ पा रहे हैं। मध्यप्रदेश में दिग्विजय सिंह की कांग्रेस सरकार के दौरान जैन धर्मावलंबियों को भी अल्पसंख्यक दर्जा दिया था, लेकिन अल्पसंख्यकों को दी जाने वाली सुविधाओं से ये आज भी वंचित हैं।

संविधान के अनुच्छेद-342 में धर्म परिवर्तन के संबंध में अनुच्छेद-341 जैसे प्रावधान में लोच है। 341 में स्पष्ट है कि अनुसूचित जाति (एससी) के लोग धर्म परिवर्तन करेगे तो उनका आरक्षण समाप्त हो जाएगा। इस कारण यह वर्ग धर्मांतरण से बचा हुआ है। जबकि 342 के अंतर्गत अल्पसंख्यक आस्थाओं ने जनजातियों के आदि मत और पुरखों की पारंपरिक सांस्कृतिक आस्था को बनाए रखने के लिए व्यवस्था की थी कि अनुसूचित जनजातियों को राज्यवार अधिसूचित किया जाएगा। यह आदेश राष्ट्रपति द्वारा राज्य की अनुमति पर दिया जाता है। इस आदेश के लागू होने पर उद्दिष्टित अनुसूचित जनजातियों के लिए संविधान सम्मत आरक्षण के अधिकार प्राप्त होते हैं। इस आदेश के लागू होने के उपरांत भी इसमें संशोधन का अधिकार संसद को प्राप्त है। इसी परिप्रेक्ष्य में 1956 में एक संशोधन विधेयक द्वारा अनुसूचित जनजातियों में धर्मांतरण पर प्रतिबंध के लिए प्रावधान किया गया था कि यदि इस जाति का कोई व्यक्ति ईसाई या मुस्लिम धर्म स्वीकारता है तो उसे आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा।

मां सिद्धिदात्री के आशीर्वाद को पाने का सहज मार्ग है - सहजयोग



नवरात्रि की नवमी तिथि मां सिद्धिदात्री की आराधना का महायोग है। यह एक ऐसा समय है, जब ना अधिक सुख पड़ती है ना गरीं, मानव सर्दी में रहता है, प्रकृति शांति देने वाली स्थिति में होती है और मां सिद्धिदात्री के पूजन का चैतन्य कण कण में भरा होता है ।

आज के दिन माँ सिद्धिदात्री की आराधना करते हुए भक्त हर प्रकार की सिद्धि हेतु प्रार्थना करते हैं, माँ सिद्धिदात्री साहस व शक्ति की प्रतीक हैं। माँ सिद्धिदात्री की उपासना से अनेक सिद्धियाँ प्राप्त होती हैं, जिससे मानव के लिए संसार में कुछ भी असंभव नहीं रहता
माँ की कृपा से जब सद्गुण हमारे अंदर स्थित होते हैं तब अज्ञान जैसी सबसे बड़ी कमजोरी नष्ट हो जाती है। माँ जगदंबा के आशीर्वाद व सद्गुणों को अपने अंदर स्थापित करने का आसान - मार्ग है सहज योग। हमारे अंतर के सूक्ष्म शरीर के अनहद चक्र के मध्य में जगदंबा अपने हर स्वरूप में विराजमान हैं और इस चक्र की दाहिनी ओर श्री रामचंद्र व माता सीता का स्थान है। जो हमारे अंदर ही व्याप्त है, उन्हें पाना क्या...वे तो अंदर ही हैं। बस पाने का तरीका पता होना चाहिए और यह तरीका है सहज योग बात समर्पण की है सहज योग समर्पण का आसान मार्ग है। अनहद चक्र को हृदय चक्र भी कहते हैं? जब हृदय संकीर्ण होगा तो हम उसमें ईश्वर का चैतन्य कितना भर पायेंगे? अतः हृदय को विशाल करना होगा। जब हमारा चित्त हमारे अंदर होता है, तब ईश्वरीय चैतन्य का प्रवाह हमें यथाथ की अनुभूति देता है। हमने आठ दिव देवी की आराधना कर ली, आज के दिन अपनी अज्ञानता पर पूर्णरूपेण विजय पाना है, स्वयंसिद्ध बनना है यही दुर्गा नवमी का संदेश होता है।

किसी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक मूल्यांकन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, विशाल औद्योगिक परियोजनाओं, आधुनिक तकनीक, विदेशी निवेश और ऊंचो प्रति व्यक्ति आय से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा मिले, श्रमिक को अपने भविष्य के प्रति विश्वास हो, वृद्धावस्था अभाव का पर्याय न बने और बीमारी किसी परिवार को आर्थिक संकट के गर्त में न धकेले दे। सामाजिक सुरक्षा इसी मानवीय विकास का आधार है। यह केवल सरकारी सहायता की व्यवस्था नहीं, बल्कि नागरिकों के सम्मान, आत्मविश्वास, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक न्याय का ऐसा आधारस्तंभ है, जिस पर एक सशक्त एवं समावेशी राष्ट्र का निर्माण होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले वर्षों में जनकल्याणकारी योजनाओं के विस्तार के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा को व्यापक बनाने की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। इन पहलों ने करोड़ों लोगों को विभिन्न प्रकार की आर्थिक, स्वास्थ्य, खाद्य और सामाजिक सहायता से जोड़ने में भूमिका निभाई है। हालांकि, बदलती आर्थिक परिस्थितियों और विशाल श्रमबल की आवश्यकताओं के कारण इसे तेज हो अर्भी इस दिशा में बहुत कुछ किया जाना शेष है।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सामाजिक सुरक्षा का दायरा वर्ष 2015 के 19 प्रतिशत से बढ़कर 64.3 प्रतिशत यानी 94 करोड़ से अधिक नागरिकों तक पहुंच गया है। यह विस्तार बताता है कि सामाजिक संरक्षण अब देश की विकास संबंधी प्राथमिकताओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। लेकिन सामाजिक सुरक्षा की सफलता का आकलन केवल लाभार्थियों की संख्या से नहीं होना चाहिए। वास्तविक प्रश्न यह है कि कितने लोगों को आवश्यकता के समय पर्याप्त सहायता मिलती है, कितने परिवार बीमारी और बेरोजगारी के संकट से उबर पाते हैं तथा कितने श्रमिक बुढ़ापे में सम्मानपूर्वक जीवन जीने की स्थिति में हैं। योजनाओं की व्यापकता के साथ उनकी पर्याप्तता, गुणवत्ता और निरंतरता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में सामाजिक सुरक्षा का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि यहां श्रमबल का बड़ा हिस्सा असंगठित क्षेत्र से

रावण की ऊँचाई नहीं, रावणी प्रवृत्तियों की करें बि़चाई

दशरहे का मौसम आते ही रावण की पूछ-परछ बढ़ जाती है। साल भर समाज में रावण जैसी प्रवृत्तियाँ फलती-फूलती रहें, किसी को कोई खास पेशानी नहीं होती, लेकिन दशहारा आते ही रावण के पुतले की ऊँचाई पर बहस छिड़ जाती है। कोई 101 फीट का रावण बनाते हैं, तो कोई 151 फीट का। मानो रावण का कद जितना ऊँचा होगा, बुराई पर विजय उतनी ही शानदार होगी!

समझ में नहीं आता कि रावण को हराने की होड़ लगी है या उसे ऊंचा उठाने की। हर साल पुतले का कद बढ़ता है, आतिशबाजी का खर्च बढ़ता है, भीड़ बढ़ती है, जय श्रीराम के जयकारों गूँजते हैं और अंत में रावण धू-धू करके जल उठता है। लोग तालियाँ बजाते हैं, मोबाइल से वीडियो बनाते हैं और घर लौटकर चैन की नौद सो जाते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या रावण सचमुच जल गया?

अगर रावण केवल दस सिरों वाला एक पुतला होता, तो मामला बहुत आसान था। एक माचिस की तीली लाई और बुराई का अंत! मगर आज के रावण के दस सिर नहीं, दसियों चेहरे हैं। कहीं वह भ्रष्टाचार बनकर बैठा है, कहीं रिश्तत की मेज पर मुस्करा रहा है, कहीं गरीब का हक मार रहा है, तो कहीं अपने पद और प्रतिष्ठा का दुरुपयोग कर रहा है। उसके चेहरे पर अच्छाई का मुखौटा है और जेब में स्वाथ्र का हिसाब-किताब।

सबसे बड़ी विशेषता यह है कि आधुनिक रावण को किसी सोने की लंका की जरूरत नहीं। उसे सरकारी दफ्तर की एक कुर्सी, किसी संस्था का ऊँचा पद, सत्ता का संरक्षण या कानून की कमजोर पकड़ भी काफी है। वह दूसरों को नैतिकता का पाठ पढ़ता है और खुद नियमों को अपनी सुविधा के अनुसार मोड़ लेता है। पकड़ा जाए तो जांच का इंतजार, आरोप लगे तो साजिश का शोर और सवाल पूछे जाएँ तो चुप्पी की दीवार! अब प्रश्न उठता है कि ऐसे रावण का इलाज क्या है? क्या इनके लिए भी 151 फीट का पुतला बनाया जाए? क्या इनके नाम की आतिशबाजी हो?

पुतलों पर भी बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा जाए-‘बुराई पर अच्छाई की विजय’! सच तो यह है कि इन रावणों के लिए पुतले जलाने से ज्यादा जरूरी है न्याय का दीप जलाना। कानून ऐसा हो जो गरीब और ताकतवर में अंतर न करे। जांच ऐसी हो जो रसूख के आगे न झुके और सजा ऐसी हो जो अपराधी को उसके अपराध के अनुसा मिले। केवल आरोप लगना अपराध सिद्ध होना नहीं है, लेकिन प्रमाणित अपराधों पर कार्रवाई न होना न्याय व्यवस्था के प्रति लोगों का विश्वास जरूर कमजोर करता है।

–संजय एम तराणेकर

जुड़ा है। उपलब्ध श्रम संबंधी आंकड़ों के अनुसार, देश के कुल श्रमबल में लगभग 87 प्रतिशत हिस्सेदारी असंगठित क्षेत्र की है। खेतों में काम करने वाले किसान-मजदूर, निर्माण श्रमिक, घरेलू कामगार, रेहड़ी-पटरी वाले, छोटे दुकानदार, दैनिक वेतनभोगी और विभिन्न सेवाओं से जुड़े कामगार देश की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। लेकिन इनमें से बड़ी संख्या के पास नियमित वेतन, भविष्य निधि, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और दुर्घटना सुरक्षा जैसी सुविधाएं नहीं हैं। रोजगार मिलने और छिन्ने के बीच उनका जीवन अक्सर अनिश्चितता से घिरा रहता है। ऐसे में सामाजिक सुरक्षा को केवल संगठित क्षेत्र तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। इसकी पहुंच उन हाथों तक भी सुनिश्चित करनी होगी, जो देश की उत्पादन व्यवस्था और सेवा अर्थव्यवस्था को अपने श्रम से संचालित करते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने जनधन खातों, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, आधार आधारित पहचान और डिजिटल सार्वजनिक अवसरंकरके के माध्यम से सरकारी सहायता को लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए एक व्यापक व्यवस्था विकसित की है। प्रधानमंत्री जनधन योजना ने बैंकिंग सुविधाओं से वंचित लोगों को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने में योगदान दिया है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण ने अनेक योजनाओं में बिचौलियों की भूमिका कम करने और सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के खातों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त किया है। इन व्यवस्थाओं ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन को अधिक पारदर्शी बनाने की संभावनाएं मजबूत की हैं।

स्वास्थ्य सुरक्षा सामाजिक संरक्षण का सबसे संवेदनशील पक्ष है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ने पात्र परिवारों को अस्पताल में भर्ती होकर उपचार कराने के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदना योजना के माध्यम से स्वास्थ्य कवरेज के दायरे में लाने की पहल ने वृद्धावस्था में चिकित्सा संबंधी चिंताओं को कम करने का प्रयास किया है। फिर भी सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय बढ़ाने, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सशक्त बनाने, ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और दवाओं तथा जांच की लागत कम करने की आवश्यकता बनी हुई है। गंभीर बीमारी के कारण किसी परिवार का वर्षों की बचत समाप्त हो जाना या उसे कर्ज लेने के लिए विवश

फलाईदुबई हादसे के बाद हवाई सुरक्षा पर मंडराया बड़ा खतरा, जमीन की जंग का असर अब आसमान तक

फलाईदुबई के विमान एफजेड1073 में सवार 174 यात्रियों के साथ हाल में हुई घटना ने दुनिया भर में हवाई सुरक्षा को बेहतर बनाने को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। लेकिन इतिहास बताता है कि जब तक दुनिया की राजनीति में उथल-पुथल रहती, तब तक सुरक्षा का कोई भी इंजाम किसी हादसे को पूरी तरह रोकने की गारंटी नहीं दे सकता।

वास्तव में दुबई से इजरायल जा रहे फलाईदुबई के विमान में 174 यात्रियों की जान बचना किसी चमत्कार से कम नहीं था। इस उड़ान में इजरायल-विरोधी सोच और आत्मघाती इरादे रखने वाले ओमान के एक पायलट ने तबाही मचाने की कोशिश की थी। इसके बाद कई ऐसी घटनाएं हुईं, जिनके कारण यह बड़ा हादसा टल गया। सबसे पहले, विमान के कैप्टन रिम्त मख़्जर ने सिर में गंभीर चोट के बावजूद हिम्मत दिखाई। उन्होंने कॉर्नफिट का दरवाजा खोलने में सफलता हासिल की और यात्रियों को इस अप्रत्याशित संकट के बारे में संकेत दिए।

इसके बाद एक प्लमर, जो ‘एयर क्रेश इन्वेस्टिगेशन’ कार्यक्रम को काफी ध्यान से देखता था और जिसे विमान के नियंत्रण की कुछ जानकारी थी उसने तेजी से नीचे गिर रहे विमान को संभालने में मदद की। अंत में विमान में मौजूद दो ऑफ-ड्यूटी पायलटों ने नियंत्रण अपने हाथ में लिया और विमान की आपात स्थिति में लैंडिंग कराई।

कई लोगों ने फलाईदुबई की उड़ान एफजेड1073 की इस अप्रत्याशित घटना की तुलना 9/11 के विमान को सिलसिलेवार हाइजैक करने के घटनाक्रमों से की है। एफजेड 1073 में एक मानसिक रूप से परेशान पायलट ने मुख्य रूप से इजरायली यात्रियों को मारने की मंशा से विमान को खरटे में डाल दिया था। वहीं, 9/11 में कट्टरपंथियों ने बॉक्स कटर के

कचहरियों में घूमता भ्रष्टाचार का कायदा: मेरी पहली RTI और दम घोटती त्यवस्था

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 को भारत में लोकतंत्र को मजबूत करने, सरकारी कामकाज में पारदर्शिता लाने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए लागू किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य सरकारी फाइलों में बंद सच को जनता के सामने लाना था। लेकिन धरातल पर जो कड़वा अनुभव मुझे अपनी पहली RTI के दौरान हुआ, उसने इस काम की जमीनी हकीकत और प्रशासनिक तंत्र की मिलीभगत को पूरी तरह बेनकाब कर दिया है। जब मुझे पता चला कि मकान निर्माण सहाय में गजब का भ्रष्टाचार हुआ है तब मैंने ही खुद ऋह्रदू लगाई और जानो क्या हुआ।

RTI कानून का मूल उद्देश्य आम नागरिकों को सशक्त बनाना और सरकार के कामकाज में जवाबदेही तय करना है। एक जागरूक नागरिक के नाते हमें यह जानने का पूरा अधिकार है कि जनता की गाढ़ी कमाई से दिए गए टैक्स का पैसा कहाँ, कैसे और किन लोगों पर खर्च हो रहा है। इसी संवैधानिक हक का इस्तेमाल करते हुए मैंने सरकारी तंत्र से सवाल पूछने का फैसला किया।

डिजिटल इंडिया के दौर में ऑनलाइन RTI पोर्टल एक बेहतरीन और सुविधाजनक विकल्प है, जिससे कामजाी कार्रवाई और सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने से मुक्ति मिलती है। लेकिन विडंबना देखिए, जो विकास कार्यों की सूचियाँ और सरकारी डेटा स्वतः सरकारी वेबसाइट्स पर ऑनलाइन उपलब्ध होना चाहिए, उन्हें भी जानबूझकर छुपाकर रखा जाता है। जो चीज एक क्लिक पर जनता के सामने होनी चाहिए, उसके लिए भी नागरिकों को महीनों संघर्ष करना पड़ रहा है।

इतिहास गवाह है कि इसी ऋह्रदू कानून की ताकत के कारण देश के कई बड़े घोटाले जनता के सामने आए हैं और लाखों मामले स्थानीय स्तर पर जैसे कि राशन वितरण और मनरेगा में होने वाली धांधली। कॉन्ट्रैक्ट में हुए भ्रष्टाचार लेकिन कई दबे ऐसे ही भ्रष्टाचार की इसी कलाई खुलने के डर से आज भ्रष्ट अधिकारी इस कानून को नज़्किय बनाने में तुले हुए हैं।

मेरा व्यक्तिगत संघर्ष: तहसील में मकान निर्माण सहाय की माहिती अब तक नहीं दी जो सार्वजनिक होनी चाहिए- 21 जून 2026 को मैंने अपनी पहली RTI दाखिल की। इस RTI के

होना सामाजिक सुरक्षा की अपूर्णता को उजागर करता है। स्वास्थ्य सुविधाएं तभी प्रभावी सुरक्षा कवच बनेंगी, जब उपचार की उपलब्धता के साथ उसकी वहीनीयता भी सुनिश्चित होगी।

आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जैसी पहलें अलग-अलग वर्गों की आवश्यकताओं को संबोधित करती हैं। पीएम-किसान के माध्यम से पात्र किसान परिवारों को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता मिलती है। अटल पेंशन योजना असंगठित क्षेत्र के लोगों को वृद्धावस्था में नियमित आय की व्यवस्था से जोड़ने का प्रयास करती है। जीवन ज्योति बीमा और सुरक्षा बीमा योजनाएं क्रमशः जीवन बीमा तथा दुर्घटना बीमा के माध्यम से परिवारों को संभावित आर्थिक संकट से बचाने में सहायक हैं। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना, जिसे पीएम-पोषण के नाम से जाना जाता है, विद्यालयों में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के माध्यम से पोषण और शिक्षा से जुड़े सामाजिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाती है।

श्रमिकों की दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा की दृष्टि से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) का दायरा बढ़ाने संबंधी कदम भी महत्वपूर्ण हैं। उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार, 17 सितंबर 2026 से अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा के लिए मासिक वेतन सीमा 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये किए जाने का प्रावधान है। यदि इसका क्रियान्वयन निर्धारित स्वरूप में होता है, तो लगभग 51 लाख अतिरिक्त कर्मचारी अनिवार्य भविष्य निधि व्यवस्था के दायरे में आ सकते हैं। यह बदलाव उन कर्मचारियों के लिए विशेष महत्व रखता है, जिनका वेतन बढ़ने के कारण वे पुरानी सीमा के बाहर रह जाते थे। भविष्य निधि में नियमित अंशदान से सेवानिवृत्ति के लिए बचत का आधार तैयार होता है, जबकि लागू प्रावधानों के अनुसार पेंशन और बीमा संबंधी सुविधाएं भी परिवार को आर्थिक सहारा प्रदान कर सकती हैं। हालांकि, इस विस्तार के साथ कर्मचारियों की वर्तमान हाथ में आने वाली आय, नियोक्ताओं की लागत और छोटे उद्यमों की वित्तीय क्षमता के बीच संतुलन बनाना भी आवश्यक होगा।

सामाजिक सुरक्षा के विस्तार में ई-श्रम पोर्टल एक महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरा है। बदलती अर्थव्यवस्था

ने सामाजिक सुरक्षा के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी की हैं। गिग और प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था में काम करने वाले डि्लीवरी कर्मियों, कैब चालकों तथा अन्य सेवा प्रदाताओं को रोजगार के अवसर तो मिलते हैं, लेकिन उनको आय, कार्य-अवधि और भविष्य की सुरक्षा अक्सर अनिश्चित रहती है। इसी प्रकार महिलाओं, प्रवासी श्रमिकों, दिव्यांगों और वृद्ध नागरिकों की जरूरतें एक जैसी नहीं हैं। महिला श्रमिकों के लिए मातृत्व लाभ और सुरक्षित कार्यस्थल, प्रवासी श्रमिकों के लिए राज्य की सीमाओं से परे भी उपलब्ध रहने वाली सुविधाएं तथा निर्माण श्रमिकों के लिए कल्याणकारी योजनाओं तक सरल पहुंच सुनिश्चित करना आवश्यक है। सामाजिक सुरक्षा का ऐसा लचीला मॉडल विकसित होना चाहिए, जिसमें व्यक्ति के नियोक्ता, कार्यस्थल अथवा निवास स्थान बदलने पर भी उसके अधिकार बाधित न हों।

इसके साथ ही वृद्धावस्था और विधवा पेंशन की राशि को महंगाई के अनुरूप अधिक पर्याप्त बनाने, सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय बढ़ाने और असंगठित श्रमिकों के लिए योगदान आधारित पेंशन तथा बीमा विकल्पों को सरल एवं सुलभ बनाने पर विशेष ध्यान देना होगा। पंचायतों, नगर निकायों और साझा सेवा केंद्रों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रसार तथा पंजीकरण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। विकसित भारत का स्वयं तथा सकार होगा, जब आर्थिक विकास के साथ सामाजिक संवेदनशीलता और मानवीय गरिमा भी समान गति से आगे बढ़ें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक सुरक्षा का विस्तृत होता दायरा इस दिशा में एक महत्वपूर्ण नीतिगत परिवर्तन को रेखांकित करता है। लेकिन अगला चरण केवल योजनाओं के विस्तार का नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन, पर्याप्त वित्तीय संसाधनों और अंतिम व्यक्ति तक वास्तविक लाभ पहुंचाने का होना चाहिए। सामाजिक सुरक्षा पर होने वाला व्यय सरकारी खजाने पर बोझ नहीं, बल्कि स्वस्थ, उत्पादक और आत्मविश्वासी समाज के निर्माण में निवेश है। जब श्रमिक को भविष्य की चिंता से राहत मिलेगी, किसान को संकट में सहारा मिलेगा, वृद्ध को सम्मानपूर्ण जीवन और गरीब परिवार को बीमारी के समय उपचार का भरोसा मिलेगा, तभी विकास की उपलब्धियां जनजीवन में सार्थक परिवर्तन ला सकेंगी। यही समावेशी विकास की वास्तविक कसौटी और एक सशक्त, संवेदनशील तथा आत्मनिर्भर भारत की आधारभूमि है।

–ललित गर्ग

फलाईदुबई हादसे के बाद हवाई सुरक्षा पर मंडराया बड़ा खतरा, जमीन की जंग का असर अब आसमान तक

सबारे विमानों का अपहरण किया था।

दोनों घटनाओं में बदला लेने की भावना दिखाई देती है। ऐसी घटनाएं यह भी दिखाती हैं कि जब देश दूसरे देशों में युद्ध या सैन्य कार्रवाई करते हैं तब उसका असर कभी-कभी आम यात्रियों तक भी पहुंचता है। इससे इजरायल के लोगों और उनके अमेरिकी सहयोगियों के बीच हवाई यात्रा को लेकर डर बढ़ना स्वाभाविक है। फ्लाईदुबई की घटना से पता चला कि पश्चिम एशिया में सरकारों के संघर्षों और युद्धों का असर आम लोगों की सुरक्षा पर भी पड़ रहा है। इससे इजरायल और अमेरिकी लोगों के साथ-साथ दूसरे देशों के यात्रियों के लिए भी यात्रा जोखिम भरी हो गई है।

इसके पहले 1970 का दशक पर गौर करें तो उस समय फिलिस्तीनी लड़ाकू संगठन इजरायल या अमेरिका जाने वाले विमानों को अक्सर हाइजैक कर लिया करते थे। 6 सितंबर 1970 को फिलिस्तीनी लड़ाकों ने न्यूयॉर्क जाने वाले चार विमानों का एक साथ अपहरण कर पूरी दुनिया को हिला दिया था। इनमें फ्रैंकफर्ट से उड़ान भरने वाला टीडब्ल्यूए विमान, एम्स्टर्डम से उड़ान भरने वाले अल एएल और पैन एम के विमान तथा ज्यूरिख से उड़ान भरने वाला स्विसएयर विमान शामिल थे।

इनमें से एक विमान का अपहरण पायलट उरी बार की सूझबूझ के कारण नाकाम हो गया। हालांकि, इतिहास में उनका नाम उस समय की चर्चित महिला लड़ाका लैला खालिद की तुलना में कम याद किया जाता है। लैला खालिद फिलिस्तीनी संगठन, पोप्युलर फ्रंट फॉर दि लिबरेशन ऑफ फिलिस्तीन (पीएफएलपी) की सदस्य थी और 1969 में भी एक विमान अपहरण में शामिल रही थी। एक विमान को बेरुह ले जाया गया

जबकि दो विमान जॉर्डन में उतरे। दोनों विमानों को जॉर्डन की सेना ने घेर लिया। पीएफएलपी की मांग थी कि जर्मनी, स्विट्जरलैंड, इंग्लैंड और इजरायल की जेलों में बंद फिलिस्तीनियों को 72 घंटे के भीतर रिहा किया जाए वरना सभी बंधकों को मार दिया जाएगा।

अमेरिका ने अपनी 82वीं एयरबोर्न डिविजन को तैयार कर दिया और उसका छत्रा बेड़ा भी सतर्क कर दिया गया। यह लंबा गतिरोध चल ही रहा था कि अगले दिन एक ब्रिटिश ओवरसीज एयरबेस कॉरपोरेशन के एक विमान का भी अपहरण कर लिया गया। इस पूरे संकट के बीच जॉर्डन की सेना और याहिर अराफात के फिलिस्तीन मुक्ति संगठन के बीच संघर्ष शुरू हो गया, जिसे बाद में ‘ब्लैक सितंबर’ के नाम से जाना गया।

आखिरकार मिश्र के राष्ट्रपति नसिर हुसैन की मध्यस्थता से समझौता हुआ। बंधकों को छोड़ दिया गया और अपहरणकर्ताओं को भी रिहा कर दिया गया। उस समय अमेरिकी पत्रकार वॉल्टर क्रोनकाइट ने कहा था कि फिलिस्तीनी लड़ाकों ने दुनिया का ध्यान उस समस्या की ओर फिर खींच दिया है, जिसे राजनयिक लंबे समय से पनरअंजग कर रहे थे।

दो साल बाद फिलिस्तीनी लड़ाकों ने तेल अवीव जा रहे सबेना एयर के एक विमान का अपहरण कर लिया।

उसके बचाव अभियान के दौरान इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहु अपने साहस के कारण चर्चा में आए जो उस समय कमांडो थे। चार साल बाद उनके भाई की ‘ऑपरेशन थंडरबोल्ट’ में मौत हो गई। इस अभियान में इजरायली कमांडो ने अपहृत कर युगांडा के एंटबे में उतारे गए एयर फ्रांस के विमान पर धावा बोलकर यात्रियों को बचाया था।

—धनंजय राजौरा

आदेशों की भी अवहेलना कर रहे हैं। क्योंकि यहां सिर्फ सरकारी लोग ही शामिल नहीं हे सत्ताधारी लोग भी शामिल हे और सब मिलके सोची समझी साजिश के अनुसार भ्रष्टाचार करते हे। जिसमें लाभार्थी को देने की रकम , अधिकारी को देने की रकम , खुद खाने की रकम और अलग से ऐसा कोई केस हो तो उसे दबाने की रकम तय होती हे। और मुख्य रूप से सत्ताधारी पक्षों के लोग उसमें पिलर का काम करते हे इसलिए वह पूरा सिस्टम का भ्रष्टाचार दब जाता है। और सत्य बोलने वाला या पूछने वाला दोषी साबित होता है।

दबाकर, और उन्हें मानसिक रूप से थकाकर उनके हौसलों को तोड़ने का संगठित प्रयास जारी है।

गुजरात में स्थानीय स्तर से लेकर ऊपर तक (कचहरियों और तहसीलों) भ्रष्टाचार आज चरम सीमा पर नजर आता है, क्योंकि यहाँ नीचे से लेकर ऊपर तक पूरी व्यवस्था मिलकर एक-दूसरे के भ्रष्टाचार पर पर्दा डालती है। अधिकारियों का जानकारी देने से डरना ही इस बात का सबसे बड़ा सबूत है कि मकान बाँदकाम सहाय योजना में बहुत बड़ा घोटाला हुआ है, जिसे उजागर होने से बचाने के लिए वे कानूनी आदेशों की भी अवहेलना कर रहे हैं। क्योंकि यहां सिर्फ सरकारी लोग ही शामिल नहीं हे सत्ताधारी लोग भी शामिल हे और सब मिलके सोची समझी साजिश के अनुसार भ्रष्टाचार करते हे। जिसमें लाभार्थी को देने की रकम , अधिकारी को देने की रकम , खुद खाने की रकम और अलग से ऐसा कोई केस हो तो उसे दबाने की रकम तय होती हे। और मुख्य रूप से सत्ताधारी पक्षों के लोग उसमें पिलर का काम करते हे इसलिए वह पूरा सिस्टम का भ्रष्टाचार दब जाता है। और सत्य बोलने वाला या पूछने वाला दोषी साबित होता है।

आज एक आम नागरिक के रूप में मेरा यह सवाल पूछना बेहद लाजमी हो गया है कि—

कैसा कायदा, किसका फायदा... कचहरियों में घूमता भ्रष्टाचार का कायदा।

यदि कानून के तहत तय समय पर नागरिकों को जानकारी नहीं मिलती और प्रथम अपील के आदेशों का मखौल उड़ाने वाले दोषी अधिकारियों पर धारा 20 के तहत जुर्माना नहीं लगाया जाता, तो यह ऐतिहासिक कानून सिर्फ कागज़ों की शोभा बनकर रह जाएगा। लोकतंत्र को जीवित रखने के लिए जरूरी है कि सूचना आयोगों में अपीलों का निपटारा समयबद्ध तरीके से हो और २3.50 लाख की मकान सहाय जैसे घोटालों के दोषियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजा जाए। जब तक व्यवस्था पारदर्शी नहीं होगी, एक सजग नागरिक के रूप में मेरा यह संघर्ष और भ्रष्टाचार के खिलाफ यह लड़ाई जारी रहेगी।

कलाव्योम फाउंडेशन की लोकगीत एवं लोकवाद्य कार्यशाला सम्पन्न

कार्यशाला में लोकसंगीत के संरक्षण, पारंपरिक कलाओं के संवर्धन और नई पीढ़ी को सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने पर दिया गया जोर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय लोक संस्कृति की समृद्ध परंपराओं के संरक्षण, संवर्धन और उन्हें नई पीढ़ी तक पहुँचाने के उद्देश्य से कलाव्योम फाउंडेशन द्वारा संस्कृति संचालनालय, मध्यप्रदेश के सहयोग से क्षिप्रा में लोकगीत एवं लोकवाद्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में लोकगीतों की सांस्कृतिक महत्ता, पारंपरिक गायन शैलियों, लोकवाद्यों की भूमिका तथा स्थानीय लोक कलाकारों के योगदान को रेखांकित किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोककलाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना और पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत के पीढ़ीगत हस्तांतरण को प्रोत्साहित करना रहा।

लोकगीत भारतीय संस्कृति के जीवंत संचाहक-दयाराम सारोलिया- कार्यशाला में प्रसिद्ध लोक गायक दयाराम सारोलिया ने प्रतिभागियों को लोकगीतों की विशेषताओं, पारंपरिक गायन शैलियों, क्षेत्रीय लोकधुनों



तथा हारमोनियम सहित विभिन्न लोकवाद्यों के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लोकगीत हमारी सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक मूल्यों और परंपराओं के जीवंत संचाहक हैं। कार्यशाला के दौरान करन पोरवाल ने तंबूरे तथा विजेंद्र ने ढोलक की विशेषताओं, वादन शैलियों और लोकसंगीत में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका से प्रतिभागियों को परिचित कराया। सारोलिया ने नई पीढ़ी

को लोकसंगीत से जोड़ने तथा विलुप्तप्राय लोककलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए कलाव्योम फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अपनी पुस्तकों का उल्लेख करते हुए लोकसाहित्य एवं पारंपरिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण को सांस्कृतिक विरासत भावी पीढ़ियों तक पहुँचाने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

लोककलाओं का संरक्षण समय की

आवश्यकता-अशोक श्रीमाल- कलाव्योम फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक श्रीमाल ने कहा कि लोकगीत एवं लोकवाद्य हमारी सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक ज्ञान के महत्वपूर्ण वाहक हैं। इनमें मिट्टी की सुगंध, स्थानीय समाज का जीवन-दर्शन तथा सदियों से संचित सांस्कृतिक अनुभव समाहित हैं। उन्होंने कहा कि कलाव्योम के माध्यम से लोककलाओं का संरक्षण एवं संवर्धन केवल प्राचीन परंपराओं को सेहेजने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक विरासत और पहचान को भावी पीढ़ियों तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण दायित्व भी है।

स्थानीय लोक कलाकार हमारी अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर के संवाहक-अपर्णा भोसले- कलाव्योम फाउंडेशन की सचिव अपर्णा भोसले ने कहा कि स्थानीय लोक कलाकार हमारी अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर के संवाहक हैं। कलाव्योम फाउंडेशन लोककलाओं के संरक्षण, संवर्धन तथा

कलाकारों को सम्मान और प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि पारंपरिक ज्ञान, सांस्कृतिक मूल्यों और लोक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाया जा सके। कलाव्योम फाउंडेशन का संकल्प-लोक विरासत का संरक्षण एवं अगली पीढ़ी तक हस्तांतरण- कलाव्योम फाउंडेशन कला एवं संस्कृति को केवल आयोजनों तक सीमित न रखते हुए प्रशिक्षण, कार्यशालाओं एवं दस्तावेजीकरण के माध्यम से लोक विरासत के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। संस्था विभिन्न कलाओं को प्रोत्साहित करने, पारंपरिक लोककलाओं का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण करने, स्थानीय कलाकारों को मंच एवं पहचान प्रदान करने तथा युवाओं को लोक परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

मां राजराजेश्वरी को ओढ़ाई 121 मीटर लंबी चुनर



शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नवरात्रि की सप्तमी पर मां विजयासन भक्त मंडल द्वारा 121 मीटर लंबी चुनरी यात्रा निकाली गई। आदर्श नवीन नगर से निकली इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं और युवातियां शामिल हुईं जो गरबा करते और माता का जयकारा लगाते शामिल हुईं।

डीजे पर बज रहे भजनों के बीच महिलाएं डांडिया करती हुईं शहर के मुख्य रास्तों से मां राजराजेश्वरी माता मंदिर पहुंचीं। यहां पूजा-आरती के बाद माता को चुनरी चढ़ाई गई। यात्रा की शुरुआत विजयासन माता मंदिर से हुई जिसमें सबसे आगे श्रद्धालु भगवा ध्वज लेकर चल रहे थे। उनके पीछे महिलाएं चुनरी लेकर निकलीं। डीजे पर बज रहे भजनों पर डांडिया करती महिलाओं ने यात्रा में हिस्सा लिया। आयोजन में घोड़े भी शामिल थे। यात्रा शहर के मुख्य रास्तों से होते हुए मां राजराजेश्वरी माता मंदिर पहुंची। यहां श्रद्धालुओं ने पूजा और आरती की और माता को 121 मीटर लंबी चुनरी चढ़ाई।

आमने-सामने भिड़ी दो बाईक, दो लोग घायल



शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास से अपने गांव खेजड़िया लौट रहे दो लोग हादसे का शिकार हो गए, जिनकी बाईक सामने से आ रही बाईक से भिड़ गई। इस हादसे में घायल एक युवक के सीने में जब दर्द होने लगा तो सुनेरा थाना प्रभारी ने

सीपीआर देकर उसे राहत दी और उसकी जान बचाई। इसके बाद खुद अपने वाहन से घायल को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। घटना सुनेरा थाने के सामने रात करीब 10 बजे हुई। जब एक बाइक पर सवार गोविंद बैरागी और राधेश्याम सेन देवास से अपने गांव खेजड़िया जा रहे थे। तभी उनकी बाईक सामने से आ रही बाईक से टकरा गई। जैसे ही हादसे की सूचना मिली थाना प्रभारी अंकित मुकाती ने थाना स्टॉप की मदद से दोनों को अपने वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान एक युवक के सीने में दर्द हुआ। टीआई ने सीपीआर देते हुए अस्पताल ले जाया गया। हादसे में गोविंद बैरागी के सिर में गंभीर चोट आई है। वहीं राधेश्याम सेन के सिर और हाथ में मामूली चोटें आई हैं। दूसरी बाइक पर सवार व्यक्ति के बारे में फिलहाल जानकारी सामने नहीं आई है। राधेश्याम सेन ने बताया कि वह देवास की एलटीएन कंपनी में मशीन चलाने का काम करते हैं। वह अपने साथी गोविंद के साथ देवास से राजगढ़ जिले के खेजड़िया गांव स्थित घर जा रहे थे। इसी दौरान रात करीब 10 बजे सुनेरा थाने के सामने दोनों मोटर साईकलों की भिड़त हो गई। सुनेरा थाना प्रभारी अंकित मुकाती ने बताया कि हादसे के बाद दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। मामले की जांच की जा रही है।

शासन की योजनाएं बर्नी जैन दंपति की हमसफर

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित वयोश्री-एडिप योजना गंजबासौदा निवासी जैन दंपति के जीवन में सुविधा और आत्मनिर्भरता का माध्यम बनी है। शासन की योजनाओं से मिले सहायक उपकरण और पेंशन अब उनके दैनिक जीवन में हमसफर का काम कर रहे हैं।

गंजबासौदा के वाई क्रमांक 11 निवासी 68 वर्षीय श्री उदयचंद जैन (8871883426) एवं उनकी पत्नी श्रीमती अंगुरीबाई जैन 65 वर्षीय वृद्धावस्था में सुनने और चलने-फिरने की समस्या का सामना कर रहे थे। दोनों को उनकी आवश्यकता के अनुसार कान की मशीन एवं छड़ी उपलब्ध कराई गई।

अब कान की मशीन की मदद से पति-पत्नी एक-दूसरे की बातें अधिक आसानी से सुन पा रहे हैं, वहीं छड़ी के सहारे दोनों एक साथ आने-जाने में सुविधा महसूस कर रहे हैं।

वृद्धावस्था के कारण श्री उदयचंद जैन और उनकी पत्नी श्रीमती अंगुरीबाई जैन को सुनने में कठिनाई होती थी। बातचीत के दौरान एक-दूसरे की बातें सुनने और समझने में परेशानी आती थी। वयोश्री-एडिप योजना के तहत प्राप्त कान की मशीन ने उनकी इस परेशानी को काफी हद तक कम किया है।

जुआ खेल रहे आठ आरोपियों से जब्त किया 8 लाख 85 हजार का मशरूका



शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एसपी प्रियंका शुक्ला के निर्देशन में शुजालपुर मंडी पुलिस ने कारवाई करते हुए 8 जुआरियों को जामनेर के जंगल से जुआ खेलते गिरफ्तार किया है। जिनके पास से 8 लाख 85 हजार

का मशरूका जब्त किया है।

यह सफलता पुलिस को मुखबिर की सूचना पर मिली। जिसने शुजालपुर मंडी पुलिस को सूचना दी। इस पर थाना प्रभारी शिवकुमार यादव एवं उनि तेजप्रकाश बोहरे के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा ग्राम जामनेर के जंगल में दबिश दी गई। पुलिस टीम ने मौके पर 8 व्यक्तियों को ताश के पत्तों पर रुपये-पैसों का हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेलते हुए पकड़ा। पुलिस ने घेराबंदी कर सभी 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा उनके कब्जे से 24 हजार 600 नगद, 52 ताश के पत्ते, 8 मोटर साईकिल एवं 6 मोबाइल फोन सहित कुल 8 लाख 85 हजार का माल जब्त किया है। पुलिस द्वारा आशिक पिता लाल खां (22) निवासी जामनेर, शादब पिता अल्ताफ खां (35) निवासी शुजालपुर सिटी, रंजीत पिता कनीराम सैनी (50) निवासी शुजालपुर मंडी, मदन पिता लच्छू भोई (50) निवासी शुजालपुर मंडी, गोल्ड उर्फ शमशाद पिता इफ्फान खां (38) निवासी शुजालपुर, आर्यन पिता राधेश्याम प्रजापत (21) निवासी शुजालपुर मंडी, इशराद पिता शफरी खां (36) निवासी शुजालपुर मंडी व सद्दाम उर्फ सईद उर्फ भूरा पिता गफ्फार खां (32) वर्ष निवासी ग्राम जामनेर को गिरफ्तार किया गया है। जिनके खिलाफ शुजालपुर मंडी थाने में जुआ एक्ट के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने ट्रीमा सेंटर पहुंचकर घायल लोगों के इलाज की जानकारी ली

अस्पताल प्रबंधन से कहा संवेदनशीलता के साथ करें बेहतर से बेहतर इलाज

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने जेएचए के ट्रीमा सेंटर पहुंचकर शीतला माता मंदिर के समीप हुई दुःखद दुर्घटना में घायल लोगों के इलाज की जानकारी ली। उन्होंने जीआर मेडीकल कॉलेज के अधिष्ठाता, जेएचए प्रबंधन एवं घायलों का इलाज कर रहे चिकित्सकों से चर्चा कर संवेदनशीलता के साथ उपचार करने के लिये कहा। विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने इस हृदय विदारक दुर्घटना में दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धांजलि एवं उनके परिजनों के प्रति शोक संवेदनायें व्यक्त की ।

अंबा माता मंदिर में खप्पर दर्शन के लिए उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, नगरवासियों ने किए माता रानी के दर्शन

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के प्रसिद्ध अंबा माता मंदिर में धार्मिक आस्था, श्रद्धा और परंपरा का अनूठा संगम देखने को मिला। अंबा माता, कालका माता एवं शीतला माता की धार्मिक परंपरा के अंतर्गत खप्पर दर्शन के लिए नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। माता रानी के दर्शन करने और इस विशेष धार्मिक परंपरा का साक्षी बनने के लिए नगर के लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही और पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया। बड़ावदा का अंबा माता मंदिर नगर के



प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। यहां विराजित अंबा माता, कालका माता एवं शीतला माता के प्रति नगरवासियों की गहरी आस्था है। धार्मिक अवसरों पर श्रद्धालु बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचकर माता रानी के दर्शन करते हैं। खप्पर की परंपरा भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष महत्व

रखती है। इसी आस्था के चलते नगर के विभिन्न क्षेत्रों से लोग मंदिर पहुंचे और माता रानी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। वर्ष 1978 में हुई थी तीनों माताओं की प्राण प्रतिष्ठा- अंबा माता मंदिर का धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व लंबे समय से बना हुआ है। मंदिर में अंबा माता, कालका माता एवं शीतला माता की वर्ष 1978 में प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। तभी से यह मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। समय के साथ मंदिर के प्रति लोगों की श्रद्धा और विश्वास परंपरा भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष महत्व

धार्मिक भावनाएं इस मंदिर से जुड़ी हुई हैं।

मंदिर में अंबा माता से जुड़े अंबाराम नायक एवं अंबाराम खोखर, कालका माता से जुड़े भेरूलाल पांचवाल तथा शीतला माता से जुड़े सत्यनारायण पाटीदार (डॉक्टर) के नाम भी उल्लेखनीय हैं। इन नामों का मंदिर की धार्मिक परंपरा के संदर्भ में विशेष महत्व बताया गया है। खप्पर दर्शन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह-खप्पर की धार्मिक परंपरा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का मंदिर पहुंचना इस बात का प्रतीक रहा कि आज भी नगर में धार्मिक मान्यताओं और पारंपरिक आयोजनों के प्रति गहरा लगाव है। श्रद्धालुओं ने माता रानी के दर्शन किए और

परिवार की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान मंदिर में भक्तिभाव का वातावरण बना रहा।

नगरवासियों के लिए ऐसे धार्मिक आयोजन केवल दर्शन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे सामाजिक एकता, सांस्कृतिक विरासत और पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं को आगे बढ़ाने का माध्यम भी हैं। धार्मिक अवसरों पर एक साथ एकत्रित होकर माता रानी के दर्शन करना नगर की सामूहिक आस्था को दर्शाता है।

बड़ावदा की धार्मिक पहचान का प्रमुख केंद्र है अंबा माता मंदिर- बड़ावदा में स्थित अंबा माता मंदिर नगर की धार्मिक पहचान से

जुड़ा हुआ है। वर्ष 1978 में हुई प्राण प्रतिष्ठा से जुड़ी स्मृतियां और वर्षों से चली आ रही धार्मिक परंपराएं इस मंदिर को विशेष महत्व प्रदान करती हैं। अंबा माता, कालका माता एवं शीतला माता के दर्शन के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालु मंदिर के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हैं। खप्पर दर्शन के अवसर पर नगर की जनता की उपस्थिति ने एक बार फिर यह दर्शाया कि बड़ावदा की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं आज भी लोगों के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। मंदिर में होने वाले धार्मिक आयोजनों से नगर का भक्तिमय वातावरण और सामाजिक जुड़ाव मजबूत होता है।

21 मीटर की चुनरी, 21 किलोमीटर की पदयात्रा; मां महालक्ष्मी के दरबार पहुंचा आस्था का कारवां

16 वर्षों से जारी परंपरा में सैकड़ों श्रद्धालु हुए शामिल, वैष्णवी धाम से ऊन तक गुंजे जयकारे; मां को चुनरी अर्पित कर मांगी सुख-समृद्धि की कामना

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आस्था, श्रद्धा और भक्ति के रंग में रविवार को खरगोन नगर सराबोर नजर आया।माता रानी के प्रति अटूट श्रद्धा का प्रतीक 16वीं विशाल चुनरी यात्रा धूमधाम और भक्तिमय वातावरण में निकाली गई। वैष्णवी कालोनी, नूतन नगर स्थित वैष्णवी धाम से प्रारंभ हुई यात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं, बालिकाएं और श्रद्धालु शामिल हुए। ढोल-डीजे की गूंज, भक्ति गीतों और माता रानी के जयकारों के बीच निकली यात्रा ने पूरे मार्ग को भक्तिमय बना दिया।साई संगठन, भगतसिंह ग्रुप नूतन नगर के तत्वावधान में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष व यात्रा संयोजक राजेंद्र सिंह राठौर की अगुवाई में निकली इस यात्रा का जगह-जगह विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों ने स्वागत किया।

21 किलोमीटर की पदयात्रा, मां के दरबार में अर्पित की चुनरी।

लगातार 16 वर्षों से चली आ रही इस धार्मिक परंपरा के तहत श्रद्धालु करीब 21 किलोमीटर की पदयात्रा कर प्राचीन मां



महालक्ष्मी मंदिर, ऊन पहुंचे। माता को अर्पित करने के लिए 21 मीटर लंबी चुनरी लेकर निकले श्रद्धालुओं में मां के प्रति अटूट श्रद्धा दिखाई दी। यात्रा में शामिल महिलाएं और बालिकाएं भक्ति गीतों के साथ गरबा नृत्य करतीं नजर आईं। रास्तेभर माता के जयकारों

से वातावरण गुंजता रहा।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन, सुख-समृद्धि की कामना- प्राचीन मां महालक्ष्मी मंदिर, ऊन पहुंचने के बाद राजेंद्र सिंह राठौर ने सपत्नीक विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां महालक्ष्मी का पूजन-अर्चन किया

। राठौर ने माता को चुनरी अर्पित कर देश और प्रदेश में सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। राजेंद्र सिंह राठौर ने कहा कि यह माता रानी की कृपा है जो निरंतर 16 वर्षों से यात्रा में पैदल चल कर माता रानी को चुनर अर्पित करने का सौभाग्य मुझे मिल रहा है, धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां को चुनरी अर्पित करना श्रद्धा, समर्पण और आस्था का प्रतीक माना जाता है। इसी भाव के साथ भक्तों ने मां के चरणों में शीश नवाकर परिवार और समाज के लिए मंगलकामना की।

धार्मिक परंपरा के साथ सामाजिक समरसता का संदेश- 16 वर्षों से निरंतर आयोजित हो रही चुनरी यात्रा अब श्रद्धालुओं की आस्था और सामूहिक सहभागिता के साथ सामाजिक समरसता का प्रतीक बन चुकी है। भक्ति, विश्वास और सामूहिक सहभागिता के साथ संघर्ष हुई चुनरी यात्रा ने माता के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था को अभिव्यक्त किया।



खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सनावद-भुलगांव मे खूबसूरत गरबा मंडल के आयोजन मे कु.आ. समिति को आमंत्रित किया गया। यह संस्था पंद्रह वर्षों से अनवरत जनकल्याण

गीत प्रस्तुति किया व समिति के उल्लेखनीय कार्यों व आाम्मी रूपरेखा से अवगत कारया। तत्पश्चात अध्यक्ष सुश्री अश्विनी चौधरी ने धर्म और संस्कारों का समाज व मानव जीवन पर प्रभाव को व्याख्यान के रूप मे

प्रस्तुत किया। धर्म व संस्कार बिना जीवन अपूर्ण हैं। इस समिति को श्रेष्ठ सेवाभाव के कारण शासन से पुरस्कृत किया गया है। सभी के सहयोग से यह समिति जनहिताै कार्यो को निरंतर निष्पादित करती है। कार्यक्रम आयोजको ने समिति के पदाधिकारियों का धार्मिक दुपट्टे श्री फल से सम्मान किया। नन्हे बच्चों के ज्ञावर्धन हेतु सरल प्रसन पुछे व जिन बच्चों ने सही उत्तर दिये उन्हें कपड़े भेंट किये। इसी तरह ग्राम हनुमंत्या बलवाड़ा अदि अनेक गांवो के गरबा आयोजन मे वस्त्र व उपहार भेंट किये है। आभार संरक्षक-शौभा चौधरी ने व्यक्त किया।

खाचरोद में सेवा संकल्प अभियान के तहत विशाल स्वास्थ्य शिविर आयोजित

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/ दैनिक मालावा हेराल्ड। खाचरोद में सेवा संकल्प अभियान के तहत विशाल स्वास्थ्य शिविर आयोजित 350 दिव्यांग बच्चों समेत सैकड़ों लाभान्वित,इन बच्चों को सीपी चेयर व्हील चेयर केलिपर्स बाइसाइकिल सुनने की मशीन आदि उपकरण के लिए नामांकित किया यह उपकरण शीघ्र वितरित किए जाएंगे नागदा-खाचरोद (मप्र)

स्थानीय विधायक डॉ. तेज बहादुरसिंह चौहान के नेतृत्व में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत नागदा-खाचरोद क्षेत्र में एक विशाल स्वास्थ्य एवं कल्याण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक डॉ. चौहान ने मां सरस्वती की वंदना और पूजा-अर्चना के साथ किया 17 सितंबर से निरंतर जारी इस



अभियान के माध्यम से क्षेत्र में विभिन्न जनहितैषी और कल्याणकारी योजनाओं के शिविर आयोजित किए जा रहे हैं इस शिविर में विशेष आवश्यकता वाले 350 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया इसके साथ ही 56 दिव्यांगजनों का परीक्षण कर प्रमाण पत्र जारी किए गए और 10 मरीजों के मोतियाबिंद

डॉ. तेज बहादुरसिंह चौहान ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि सेवा संकल्प अभियान के कारण ब्लॉक के विभिन्न विभागों के बीच बेहतरीन समन्वय स्थापित हुआ है उन्होंने कहा कि भविष्य में भी सभी विभाग इसी प्रकार आपसी समन्वय से आम जनता को अपनी सेवाएं सुलभ कराते रहेंगे विधायक ने घोषणा

की कि वे शीघ्र ही सभी विभागों की संयुक्त समीक्षा बैठक कर साझा लक्ष्य निर्धारित करेंगे, जिससे नागरिकों को त्वरित गति से शासकीय योजनाओं का लाभ सहज रूप से मिल सके इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद भारवा भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीषा शर्मा,पार्षद नारायण मंडावलिया अमित सेठी, लालसिंह बंजारी,दशरथ वाकरिया,अनिल छाजेड़ और ग्रामीण मंडल अध्यक्ष (दक्षिण) जयदीपसिंह सहित कई गणमान्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे शिविर को सफल बनाने में ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर गुरुदत्त जोशी, BRC पुष्परज लिवारी, MRC ज्ञानेश्वरी शिंदे,बीना टीकार, अमर सिंह सोलंकी तथा शिक्षा विभाग की पूरी टीम ने विशेष योगदान दिया स्वास्थ्य एवं प्रशासनिक विभागों से सीएमओ रवि गुप्ता बीएमओ डॉ. संजीव कुमारवत और खाचरोद के इंचार्ज मेडिकल ऑफिसर डॉ.शिवराज कोशल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दोतरू में मां आशापुरी भवानी की 151 फीट लंबी चुनरी यात्रा निकली महाप्रसादी का हुआ वितरण

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। बड़नगर तहसील के ग्राम दोतरू में मां आशापुरी भवानी की भव्य 151 फीट लंबी चुनरी यात्रा का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस धार्मिक आयोजन में समस्त ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मां आशापुरी भवानी के जयकारों के साथ निकली चुनरी यात्रा ने पूरे गांव को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया। श्रद्धालुओं ने मां के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हुए यात्रा में सहभागिता की और धर्म लाभ प्राप्त किया।

151 फीट लंबी चुनरी यात्रा इस आयोजन का विशेष आकर्षण रही। श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ मां आशापुरी भवानी को चुनरी अर्पित की तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जनकल्याण की कामना की। यात्रा के दौरान



श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

चुनरी यात्रा के पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामवासियों एवं श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण कर पुण्य लाभ लिया। समस्त ग्रामवासियों के सहयोग और सहभागिता से यह धार्मिक आयोजन उत्साह एवं श्रद्धा

के साथ संपन्न हुआ। इस भव्य धार्मिक आयोजन में यात्रा के संयोजक ईश्वरलाल राठौड़, महावीर जैन, आकाशपुरी गोस्वामी, भरतलाल खराड़ी, आनंद चौहान एवं रवि कुमार सिंघल उपस्थित रहे। इनके साथ ही महेश प्रजापत, कैलाश मालवीय, अर्जुन दांभी, लखन नायक, बलराम नायक, मनीष बैरागी एवं शंकरलाल जेसवाल सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

इस आयोजन ने ग्राम दोतरू में धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और आपसी सद्भाव की भावना को मजबूत किया। मां आशापुरी भवानी के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था और ग्रामवासियों की सहभागिता ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया।

अंत में मां आशापुरी भवानी से समस्त ग्रामवासियों के सुख, समृद्धि, खुशहाली एवं मंगलमय जीवन की कामना की गई।

अनुराधा पौडवाल के भजनों से गूंजा देपालपुर, बारिश भी नहीं रोक सकी भक्तों की आस्था

कैलाश विजयवर्गीय ने भी दी भजनों की प्रस्तुति, चिट्ठू वर्मा की 31 वर्षों की परंपरा में उमड़ा जनसैलाब

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के देवी माता मंदिर परिसर में शनिवार रात आयोजित भव्य भजन संध्या में भक्ति और संगीत का अनूठा संपाद देखने को मिला। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष चिट्ठू वर्मा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायिका अनुराधा पौडवाल, कविता पौडवाल, गजेन्द्र प्रताप सिंह और वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय ने भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अनुराधा पौडवाल के मधुर देवी गीतों ने श्रद्धालुओं को नवरात्रि की पुरानी यादें ताजा करा दीं। वहीं, कविता पौडवाल और गजेन्द्र प्रताप सिंह



के भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे। कैलाश विजयवर्गीय ने भी भजनों की प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए और देर रात तक माता के

जयकारे गूंजते रहे।

कार्यक्रम से करीब चार घंटे पहले हुई तेज बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। बैठने के लिए जमीन पर प्लाई बोर्ड की व्यवस्था की गई थी, जिससे लोगों को सुविधा मिली।

चिट्ठू वर्मा द्वारा लगातार 31 वर्षों से आयोजित की जा रही भजन संध्या देपालपुर की धार्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। आयोजन की सफलता में उनकी टीम और सहयोगियों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। भक्ति, संगीत और पुरानी यादों से सजी इस संध्या ने देपालपुरवासियों के लिए यादगार माहौल बना दिया।

खाचरोद सेवा संकल्प अभियान के समापन अवसर पर खाचरोद में पोषण मित्र सेवा नवाचारके माध्यम से कुपोषण के खिलाफ जनभागीदारी की नई पहल सामने आई 17 सितंबर से प्रारंभ सेवा संकल्प अभियान का रविवार को भव्य समापन

बड़नगर में निकला बाल पथ संचलन, अनुशासन और राष्ट्रभावना का दिया संदेश



बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। विजयादशमी उत्सव के निमित्त रविवार को बड़नगर में बाल पथ संचलन निकाला गया। सरस्वती शिशु मंदिर हजारी बाग से दोपहर 3 बजे प्रारंभ हुए संचलन में बाल स्वयंसेवकों ने अनुशासनबद्ध तरीके से कदमताल करते हुए नगर के प्रमुख मार्गों से संचलन किया। संचलन सरस्वती शिशु मंदिर हजारी बाग से प्रारंभ होकर सती माता मंदिर चौराहा,

शांति निकेतन चौराहा, गेंदा बावड़ी, आजाद चौक, नर्सिंह मंदिर, शिवाजी चौराहा, डबरी चौक, जैनी औषधालय एवं जुनी कचहरी सहित विभिन्न मार्गों से होकर गुजरा। इसके बाद संचलन शांति निकेतन से होते हुए पुनः सरस्वती शिशु मंदिर पहुंचा, जहां इसका समापन हुआ। संचलन के अवसर पर मुख्य वक्ता श्रीमान पंकज जी डेडिया, नागदा, जिला सह शालेय कार्य प्रमुख ने 'जननी जन्मभूमि' पर अपना उद्बोधन दिया। उन्होंने गीत में निहित मातृभूमि के प्रति प्रेम, सम्मान और समर्पण की भावना के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जननी और जन्मभूमि के प्रति कुतूहल के भाव को जीवन में आत्मसात करने तथा राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की प्रेरणा दी। बाल पथ संचलन के माध्यम से बाल स्वयंसेवकों ने अनुशासन, संगठन, एकता और राष्ट्रभावना का संदेश दिया। आयोजन ने बाल स्वयंसेवकों में देशप्रेम, संस्कार एवं सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूकता का भाव प्रबल करने का संदेश दिया। जानकारी नगरप्रचार प्रमुख हेमन्त परमार ने दी।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया एवं उद्यानिकी मंत्री कुशवाह ने ट्रॉफा सेंटर पहुँचकर घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार ड़्क रविवार की दरम्यानी रात शौतला माता मंदिर के समीप ट्रक हादसे में श्रद्धालुओं की मृत्यु की सूचना मिलने पर दुःख व्यक्त करते हुए सभी मृतकों के परिजनों के प्रति शोक संवेदनायें व्यक्त की हैं। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया एवं प्रदेश के उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह रविवार को जयारोग्य चिकित्सालय के ट्रॉफा सेंटर पहुँचे और दुर्घटना में घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने घायलों के समुचित उपचार के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया एवं उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने अस्पताल पहुँचकर घायलों के स्वास्थ्य का हालचाल जाना और उनके परिजनों से चर्चा की।

नवरात्रि मेले में स्थानीय कवि सम्मेलन संपन्न



बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। नगर पालिका द्वारा किला प्रांगण पर नवरात्रि मेले में स्थानीय कवि सम्मेलन का शानदार आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकप्रिय विधायक जितेंद्र सिंह जी पंड्या थे। कार्यक्रम

की अध्यक्षता नगर पालिका बड़नगर के अध्यक्ष अभय टोंग्या ने की। इस पुनर्तिअवसर पर भाजपा के वरिष्ठ श्री शांतिलाल गोखरू, एलडरमेन मधु सूदन गुर्जर, लोकेंद्र सिंह पवार आदि बड़े पैमाने पर भाजपा के नेता उपस्थित थे। देर रात

तक चले कवि सम्मेलन का सफल संचालन नगर के वरिष्ठ कवि सुरेश माहेश्वरी शिवम ने किया। मां शारदा की वंदना खेमराज माहेश्वरी ने प्रस्तुत की। कवि सम्मेलन में वरिष्ठ कवि दिनेश तिवारी उपवन, डॉक्टर नजर हुसैन, नितेश जोशी जय, योगेश जोशी, रकनुदीन रजा,कवयित्री रेखा राठौड़, राधा परमार, सुनीता भाटी, सरिता यादव, वरिष्ठ कवि विजय यादव गीतांश, प्रमोद पंचोली अजय पंड्या सजग, दीपक नागर, शिवम कुमावत, शैलेंद्र सोम, सुभाष तिवारी, विनोद मकवाना, वरिष्ठ कवि नवीन मुखिया आदि कवि मुख्य रूप से उपस्थित थे। देर रात तक चला कवि सम्मेलन यादगार रहा। आभार प्रदर्शन भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री शांतिलाल गोखरू में व्यक्त किया।

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को मां चामुंडा धाम गजनीखेड़ी पहुंचे, जहां उन्होंने 22.34 करोड़ की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का एक क्लिक के माध्यम से लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मां चामुंडा की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में कन्या भोज का आयोजन भी किया गया।

बड़नगर को मिलेगी विकास की नई सौगात कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़नगर के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि बड़नगर में नया फूड प्रोसेसिंग पार्क बनाया जाएगा। इसके साथ ही कवि प्रदीप सम्मान समारोह आयोजित करने और गीता भवन का निर्माण कराने की बात कही। मुख्यमंत्री ने मां

उन्होंने अपने खेत की बगिया में लगे फूलों को रखयं तोड़कर एकत्रित किया और उन्हें मां एकवीरा के चरणों में अर्पित किया। कुल 2 क्विंटल 1 किलो फूल माता रानी को समर्पित कर उन्होंने देश और प्रदेश की उन्नति, बने। पत्रकार शिव शंकर रिंगनोदिया ने बताया कि मां एकवीरा के प्रति उनकी गहरी आस्था और श्रद्धा है। इसी भावना के साथ

रिंगनोदिया ने बताया कि धार्मिक आस्था

रही है। किसानों को मिलेगा आल् प्रोसेसिंग यूनिट का लाभ- मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन और अगर में आल् प्रोसेसिंग यूनिट शुरू की जा रही हैं। इन इकाइयों के माध्यम से 35 जिलों के किसानों से आल् खरीदे जाएंगे, जिससे किसानों को अपनी उपज के लिए बेहतर अवसर मिल सकेंगे।

सिंहस्थ के लिए 25 हजार करोड़ के विकास कार्य- मुख्यमंत्री ने उज्जैन में आगामी सिंहस्थ की तैयारियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके लिए लगभग 25 हजार करोड़ के विकास कार्य किए जा रहे हैं। इन कार्यों का उद्देश्य धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं और विकास को गति देना है।

कई विकास कार्यों का लोकार्पण-

में विकसित हो गई है

पोषण मित्रों के रूप में विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, अधिवक्ता व्यापारी, सामाजिक कार्यकर्ता, एनजीओ एवं गणमान्य नागरिकों को जोड़ा गया है पोषण मित्र बच्चों को पौष्टिक आहार एवं स्वच्छता किट उपलब्ध कराने, सम्पूर्ण टीकाकरण के लिए प्रेरित करने तथा नियमित ग्रोथ मॉनिटरिंग में सहयोग करेंगे कुपोषित बच्चों की देखभाल को जनभागीदारी से जोड़ने का आह्वान किया था इसी क्रम में एमडीएम नेहा साहू ने पोषण मित्र सेवा की परिकल्पना की दस्तक अभियान के दौरान दो बच्चों की जिम्मेदारी लेकर इसकी शुरुआत की गई थी यह पहल आगे बढ़ते हुए 50 बच्चों की देखभाल से जुड़े जनभागीदारी मॉडल के रूप

नहीं किया गया है जो बच्चों के लिए सुरक्षित है? डाइट तैयार करने में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ.संदीप डुंगरवाल एफडी ज्योति वर्मा एवं एनआरसी खाचरोद की टीम का विशेष योगदान रहा समापन समारोह में विधायक डॉ. तेजबहादुरसिंह चौहान ने अभियान में उत्कृष्ट कार्य के लिए एसडीएम नेहा साहू बीएमओ डॉ.संजीव कुमारवत,ब्लॉक शिक्षा अधिकारी गुरुदत्त जोशी, सीडीपीओ मनोज जाट, मुकेश वर्मा सहित अभियान से जुड़े एफडी ज्योति वर्मा, नितेश उपाध्याय,अनोखीलाल प्रजापत,भूलीबाई लक्ष्मी आदि अधिकारियों-कर्मचारियों का अभिनंदन किया कार्यक्रम में लालसिंह बंजारी,भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीषा शर्मा एलडरमेन चतुर्वेदी,अनिल छाजेड़ अमित सेठी, सौरभ जैन सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे कुपोषण के विरुद्ध जनभागीदारी और जनजागरण को मजबूत करते हुए 'पोषण मित्र सेवा' को आगे भी जारी रखने का संकल्प लिया गया।

पत्रकार शिव शंकर रिंगनोदिया ने मां एकवीरा के चरणों में अर्पित किए 2 क्विंटल 1 किलो फूल

देश, प्रदेश, परिवार और मित्रों की सुख-समृद्धि की कामना के साथ खेत की बगिया से तोड़कर लाए फूल



उन्होंने अपने खेत की बगिया में लगे फूलों को रखयं तोड़कर एकत्रित किया और उन्हें मां एकवीरा के चरणों में अर्पित किया। कुल 2 क्विंटल 1 किलो फूल माता रानी को समर्पित कर उन्होंने देश और प्रदेश की उन्नति,

बने। पत्रकार शिव शंकर रिंगनोदिया ने बताया कि मां एकवीरा के प्रति उनकी गहरी आस्था और श्रद्धा है। इसी भावना के साथ

मिलती है। मां के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना करना और अपनी श्रद्धा के अनुसार पुष्प अर्पित करना उनके लिए विशेष भावनात्मक महत्व रखता है। इसी उद्देश्य से उन्होंने अपनी बगिया के फूल मां एकवीरा को समर्पित किए और सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं मंगल की कामना की।

इस अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। भक्तों ने मां एकवीरा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। फूल अर्पित करने के इस आयोजन को लेकर

श्रद्धालुओं में उत्साह दिखाई दिया। धार्मिक आस्था से जुड़े इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने माता रानी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की और सभी के कल्याण की कामना की।

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार दिलीप सिंह चौहान, महेश पाटीदार, मनीष शर्मा, राजेश चौहान, प्रदीप पवार, डॉ. गोपाल ठाकुर, गोपाल वरिष्ठ, बद्रीलाल जाट, मोहित पांचाल, शरद शर्मा, होकम चौधरी, अर्जुन रिंगनोदिया आशिष रिंगनोदिया जयदीप रिंगनोदिया, आयुष, मयंक, लक्ष्य आगरन सहित बड़ी संख्या में माता रानी के भक्त उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान गजनीखेड़ी में धर्मशाला, सीसी रोड, बाउंड्रीवाल और सामुदायिक भवन सहित विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। वहीं बड़नगर में इंडोर स्टेडियम, स्विमिंग पूल और स्वास्थ्य केंद्रों के भवनों से संबंधित कार्यों का भी लोकार्पण किया गया।

जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक रहे मौजूद- इस अवसर पर सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक जितेंद्र पंड्या, तेज बहादुर सिंह चौहान, कमला कुंवर देवड़ा, निर्मला उमराव सिंह, अभय टोंग्या सहित अन्य जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के इस दौर को बड़नगर और आसपास के क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। घोषित योजनाओं के धरातल पर उतरने से क्षेत्र में शिक्षा, कृषि, धार्मिक पर्यटन और बुनियादी सुविधाओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

आस्था की आरती, गोसेवा की भावना और मित्रता के स्नेह से महका शरद भाई जैन का जन्मोत्सव

प्रभु के दर्शन से दिन का शुभारंभ, गौशाला में गोमाता की सेवा के बाद आत्मीयता से मना जन्मदिन

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कुछ अवसर केवल खुशियाँ मनाने तक सीमित नहीं रहते, बल्कि अपने संस्कारों, सेवा भावना और आत्मीय रिश्तों की खूबसूरत तस्वीर भी प्रस्तुत करते हैं। शरद भाई जैन का जन्मोत्सव ऐसा ही अवसर रहा, जहाँ धार्मिक श्रद्धा, जीवदया और मित्रता के स्नेह ने मिलकर दिन को यादगार बना दिया। जन्मदिन की शुरुआत मंदिर में भगवान की आरती और प्रभु के आशीर्वाद के साथ हुई। इसके पश्चात गौशाला पहुँचकर गोमाता की सेवा की गई। धार्मिक आस्था और गोसेवा के साथ शुरू हुए इस विशेष दिन पर मित्रों, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों एवं शुभचिंतकों ने उनके निवास पर पहुँचकर जन्मदिन की बधाइयाँ दीं। दिनभर शुभकामनाओं का सिलसिला चलता रहा और आत्मीय मुलाकातों से वातावरण उल्लासमय बना रहा।

गौशाला में आत्मीयता के साथ मना जन्मदिन- गोसेवा के पश्चात गौशाला में शरद भाई जैन का जन्मदिन उत्साह और गर्मजोशी के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मित्रों एवं शुभचिंतकों ने उनसे मिलकर बधाइयाँ दीं और उनके प्रति अपना स्नेह व्यक्त किया। जन्मदिन का यह आयोजन केवल



शुभकामनाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वर्षों से जुड़े आत्मीय संबंधों, आपसी विश्वास और अपनत्व की खूबसूरती भी इसमें दिखाई दी। गोसेवा के पश्चात मित्रों के बीच जन्मोत्सव मनाने का यह अंदाज

अवसर को एक अलग पहचान प्रदान करता नजर आया।

वैश्य महासम्मेलन के किया स्वागत- अभिनंदन- शरद भाई जैन के जन्मदिन के अवसर पर वैश्य महासम्मेलन, इकाई नागदा

के अध्यक्ष राजा कर्नावट के नेतृत्व में समाजजनों ने उनके निवास स्थान पर पहुँचकर स्वागत-अभिनंदन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में वैश्य समाजजन उपस्थित रहे। समाजजनों ने शरद भाई जैन को जन्मदिन की शुभकामनाएँ देते हुए उनके प्रति स्नेह, सम्मान एवं आत्मीयता व्यक्त की। समाजजनों की इस उपस्थिति और आत्मीय अभिनंदन ने जन्मोत्सव की खुशियों को और बढ़ा दिया।

हैप्पी बर्थडे रूप ने दी शुभकामनाएँ- शरद भाई जैन के जन्मदिवस के अवसर पर हैप्पी बर्थडे रूप की ओर से भी उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं। रूप से जुड़े राजेश सकलेचा, मनीष चपलोत, अमित बम, राकेश ओरा, प्रकाश चपलोत, दीपक गांग, मनोज गांग, धर्मेन्द्र बम, संतोष नाहटा एवं रवि संघवी ने जन्मदिन के इस अवसर पर अपनी आत्मीय शुभकामनाएँ व्यक्त कीं। मित्रों की ओर से मिले स्नेह और बधाइयों ने आयोजन को और भी यादगार बना दिया।

जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों का लगा ताता- जन्मदिन के अवसर पर नगर के अनेक जनप्रतिनिधि, समाजिक संस्थाओं से जुड़े प्रतिनिधि, इष्ट मित्र एवं शुभचिंतक भी शरद भाई जैन के निवास पर पहुँचे। सभी ने उन्हें जन्मदिवस

की बधाई देते हुए सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ कीं। दिनभर लोगों के आने-जाने और शुभकामनाएँ देने का सिलसिला जारी रहा। आत्मीय मुलाकातों ने इस अवसर को पारिवारिक खुशियों के साथ सामाजिक सौहार्द और मित्रता के उत्सव का स्वरूप प्रदान किया।

श्रद्धा, सेवा और संबंधों का सुंदर संदेश- मित्रता जीवन की वह अनमोल पूँजी है, जो समय के साथ विश्वास, सम्मान और अपनत्व से और अधिक मजबूत होती जाती है। जन्मदिन जैसे अवसर इन संबंधों को नई आत्मीयता प्रदान करते हैं। शरद भाई जैन को मिली शुभकामनाओं ने इस बात को फिर रेखांकित किया कि व्यक्ति की वास्तविक संपन्नता केवल भौतिक उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसके आत्मीय संबंधों और लोगों के बीच बने स्नेह में भी दिखाई देती है।

शरद भाई जैन का जन्मोत्सव यह सुंदर संदेश दे गया कि जब जीवन के विशेष अवसरों में धार्मिक श्रद्धा, जीवदया, सेवा और संबंधों का सम्मान जुड़ जाता है, तो खुशियाँ केवल एक दिन का उत्सव नहीं रहतीं, बल्कि लंबे समय तक याद रहने वाली आत्मीय अनुभूति बन जाती हैं।

नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में गरबा प्रतियोगिता एवं पालक संगोष्ठी का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। विद्यांजलि इंटरनेशनल स्कूल, बड़नगर में नवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में गरबा प्रतियोगिता एवं पालक संगोष्ठी का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पारंपरिक वेशभूषा में मनमोहक गरबा प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं लोक परंपराओं की सुंदर झलक प्रस्तुत की। रंग-बिरंगी प्रस्तुतियों और विद्यार्थियों के उत्साह ने विद्यालय परिसर को उत्सवी वातावरण से भर दिया जिसे उपस्थित अभिभावकों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम में मंचासीन मुख्य अतिथि नगरपालिका उपाध्यक्ष अनीता सतीश वर्मा ने अपने संबोधन में कहा



कि भारतीय त्योहार हमारी सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास,

अभिभावकों से बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने तथा उनकी शैक्षणिक एवं नैतिक उन्नति के लिए

रचनात्मकता, अनुशासन और सामूहिक सहभागिता की भावना विकसित करते हैं।

विशेष अतिथि पार्षद आनंद अनावड़िया ने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें संस्कारवान, आत्मनिर्भर और जिम्मेदार नागरिक बनाना है। सांस्कृतिक गतिविधियाँ बच्चों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

संस्था प्रबंधक मनोज संगतानी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास है। उन्होंने

विद्यालय के साथ निरंतर सहयोग बनाए रखने का आह्वान किया।

इस अवसर पर संस्था प्राचार्या इंदु पंजाबी द्वारा विद्यालय में आयोजित पालक संगोष्ठी में विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन, व्यवहार एवं व्यक्तित्व विकास से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा की गई। शिक्षकों और अभिभावकों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए आपसी समन्वय एवं सहयोग के महत्व पर विचार साझा किए।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान, आत्मविश्वास एवं रचनात्मकता को बढ़ावा देना तथा विद्यालय और अभिभावकों के बीच संवाद को सुदृढ़ बनाना रहा। संपूर्ण आयोजन उत्साहपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन उप प्राचार्य घनश्याम तोलानी ने किया।

वरिष्ठजनों के लिये उम्मीदों की किरण बना भरण-पोषण अधिनियम

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। वरिष्ठजनों के लिये भरण-पोषण अधिनियम-2007 सहायक बन कर सामने आया है। जिस प्रकार उम्र बढ़ने पर सहारे के लिये लाठी की आवश्यकता होती है, ठीक उसी प्रकार यह अधिनियम वरिष्ठजनों के लिये सहारे की लाठी बन कर उभरा है। अधिनियम का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठजनों और अभिभावकों को समर्थन प्रदान करने वाली व्यवस्था की रचना करना है, जिससे वे एक विशेष ट्रिब्यूनल (अधिकरण) के समक्ष निर्धारित 90 दिन की समय-सीमा के अंदर भरण-पोषण के अधिकार को सुलभता और शीघ्रता से प्राप्त कर सकें।

माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम-2007 प्रदेश में 23 अगस्त, 2008 से लागू है। इसमें वे अभिभावक और वरिष्ठ नागरिक जो अपनी आय अथवा सम्पत्ति द्वारा होने वाली आय से अपना भरण-पोषण करने में असमर्थ हैं, अपने वयस्क बच्चों अथवा संबंधियों से भरण-पोषण प्राप्त करने के लिये आवेदन कर सकते हैं। भरण-पोषण में समुचित भोजन, आश्रय, वस्त्र, चिकित्सा एवं मनोरंजन सुविधाएँ शामिल हैं।

सुसनेर में कल मंगलवार को धूमधाम से मनेगा दशहरा, 51 फीट ऊंचे रावण का होगा दहन

रथ में विराजित होकर निकलेंगे प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमानजी , शाम 4 बजे लक्ष्मीनारायण मंदिर से शुरू होगा चल समारोह

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक विजयादशमी पर्व नगर में कल 20 अक्टूबर मंगलवार को पारंपरिक उत्साह, धार्मिक आस्था और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। दशहरा उत्सव को लेकर नगर में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस अवसर पर 51 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। पर्व के दौरान प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमानजी रथ में विराजित होकर श्रीराम की सेना के साथ चल समारोह में शामिल होंगे। नगर के प्रमुख मार्गों से निकलने वाला यह चल समारोह पुरानी तहसील रोड स्थित दशहय मैदान पहुंचेगा, जहां भजन संध्या, विशेष पूजा-अर्चना और आकर्षक आतिशबाजी के बीच रावण दहन का आयोजन होगा। इस बार कार्यक्रम स्थल पर दो एलईडी स्क्रीन भी लगाई जाएंगी, ताकि उपस्थित श्रद्धालु आयोजन को बेहतर तरीके से देख सकें।

नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी एवं दशहरा उत्सव समिति अध्यक्ष मांगीलाल सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार, 20 अक्टूबर को शाम 4 बजे शुक्रवारिया बाजार स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर से दशहरा चल समारोह की शुरुआत होगी। चल समारोह में रथ पर प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमानजी विराजित रहेंगे। श्रीराम की सेना के साथ निकलने वाला यह चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुरानी तहसील रोड स्थित



दशहरा मैदान पहुंचेगा। यहां परंपराानुसार धार्मिक अनुष्ठान और पूजा-अर्चना के बाद रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। दशहरा उत्सव को लेकर आयोजन समिति एवं नगर परिषद द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

रथ में विराजित होकर निकलेंगे प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और हनुमानजी- दशहरा चल समारोह इस बार भी धार्मिक आस्था और परंपरा का प्रमुख आकर्षण रहेगा। शुक्रवारिया बाजार स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर से प्रारंभ होने वाले चल समारोह में प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और

हनुमानजी रथ में विराजित रहेंगे। श्रीराम की सेना के साथ निकलने वाला चल समारोह नगरवासियों के लिए विशेष आकर्षण रहेगा। चल समारोह के दशहरा मैदान पहुंचने के बाद धार्मिक कार्यक्रम संपन्न होंगे। इसके बाद 51 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। विजयादशमी के अवसर पर रावण दहन के माध्यम से बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया जाएगा। भजन संध्या में गुंजेंगे भक्ति के स्वर- दशहरा मैदान

पर आयोजित भजन संध्या में भोपाल की भजन गायिका नम्रता कुशवाहा अपनी प्रस्तुतियां देंगी। उनके भजनों के माध्यम से श्रद्धालु भक्तिरस का आनंद लेंगे। भजन संध्या के साथ ही आयोजन स्थल पर धार्मिक वातावरण रहेगा। कार्यक्रम के दौरान विधि-विधान से विशेष पूजा-अर्चना की जाएगी, जिसके बाद रावण दहन होगा। आयोजन को आकर्षक बनाने के लिए रंगारंग आतिशबाजी भी की जाएगी। इस बार दो एलईडी स्क्रीन लाने की व्यवस्था की जा रही है, ताकि मैदान में मौजूद लोगों को कार्यक्रम

देखने में सुविधा मिल सके। दशहरा उत्सव को लेकर नगरवासियों में उत्साह का माहौल है। गत वर्ष आतिशबाजी के दौरान महिला को लगा था पत्थर, इस बार सुरक्षा पर ध्यान देना जरूरी - दशहरा उत्सव के दौरान आतिशबाजी आकर्षण का केंद्र रहती है लेकिन इसके साथ सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सावधानी बरतना भी जरूरी है। गत वर्ष दशहरा मैदान में उत्सव के दौरान आतिशबाजी के बीच उछलकर आया पत्थर एक महिला को लग गया था। घटना के बाद महिला को उपचार के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसका प्रारंभिक उपचार किया था। इस घटना को देखते हुए इस बार आयोजन से पहले मैदान की साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

दशहरा मैदान में रावण दहन और आतिशबाजी से पहले बिखरे पत्थरों, कंकड़ और अन्य ऐसी सामग्री को हटया जाना चाहिए, जो आतिशबाजी के दौरान उछलकर लोगों को चोट पहुंचा सकती है। मैदान में बड़ी संख्या में बच्चों, महिलाओं और परिवारों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए आयोजन स्थल पर सुरक्षित दूरी और लोगों की आवाजाही के लिए उचित व्यवस्था करना भी जरूरी है। आतिशबाजी निर्धारित स्थान पर ही कराई जाए तथा इसकी जिम्मेदारी अनुभवी और जवाबदेह व्यक्तियों को सौंपी जाए।

सेवा संकल्प अभियान का समापन 900 विद्यार्थियों सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का सम्मान

खाचरोद/ मुरलीदास बेरागी/ दैनिक मालावा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से शुरू हुए सेवा संकल्प अभियान का समापन शनिवार शाम केरव माधव गाडन में आयोजित कार्यक्रम में हुआ नगर पालिका नागदा एवं भाजपा बिरलाग्राम मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा जनसेवा? सामाजिक जागरूकता और जनकल्याणकारी गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया 40 विद्यालयों के 900 विद्यार्थियों का सम्मान भाजपा बिरलाग्राम मंडल अध्यक्ष प्रकाश जैन ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न



गतिविधियों का आयोजन किया गया विद्यार्थियों के लिए भाषण और चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं जिनमें बच्चों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता सामाजिक

माध्यम से योजनाओं की जानकारी दी सेवा संकल्प अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने भी भाग लिया उन्होंने आंगन मिलन कार्यक्रम आयोजित कर हितग्राहियों से संवाद किया

और शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए मार्गदर्शन भी दिया गया।नागदा परियोजना की समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को उनके कार्यों के लिए सम्मानित किया गया सांसद ने सेवा और सहभागिता को बताया जरूरी कार्यक्रम में सांसद अनिल फिरोजिया ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान जैसे आयोजन समाज में सहयोग और जनभागीदारी की भावना को बढ़ाते हैं विद्यार्थियों का सम्मान उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है, जबकि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का सम्मान उनके कार्यों को प्रोत्साहन देता है। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों की भागीदारी से जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाया जा सकता है

विधायक ने कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की विधायक डॉ. तेजबहादुरसिंह चौहान ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से शिक्षा जनजागरूकता और जनसेवा से जुड़ी गतिविधियों को एक मंच पर लाया गया विद्यार्थियों का सम्मान उनके भविष्य के लिए प्रेरणादायक है आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं द्वारा हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी देना और लाभ दिलाने में सहयोग करना महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने अभियान से जुड़े सभी लोगों को बधाई देते हुए जनहित के कार्यों में भागीदारी जारी रखने का आह्वान किया भाजपा बिरलाग्राम मंडल द्वारा सर्वाधिक रकतदान मंडल अश्वमेध प्रकाश जैन के अनुसार रक्तदान जरूरतमंद मरीजों के उपचार में सहायक होता है और समाज में सहयोग की भावना को बढ़ाता है इसी

भावना के साथ बिरलाग्राम मंडल द्वारा सर्वाधिक रक्तदान सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत किया गया माधव गाडन की दूसरी वर्षगांठ मनाई समारोह के दौरान केशव माधव गाडन की दूसरी वर्षगांठ पर अतिथियों ने केक काटा और शुभकामनाएं दी सभी अतिथियों ने इसे नागदा कि महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया कार्यक्रम में सांसद अनिल फिरोजिया विधायक डॉ. तेजबहादुरसिंह चौहान जिला अध्यक्ष राजेश थाकड़? सुस्तानसिंह शेखावत,राकेश यादव,राजेंद्र अवाना विजय पटेल,ओपी गेहलोत सुभाष शर्मा सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी अजय माहेश्वरी,रूपेंद्र सोलंकी हरिओम राजावत,राजेंद्र डाबी,माया शर्मा मोहब्बतसिंह राठौर,लक्ष्मी गुर्जर, विशाल दुबे आदि उपस्थित रहे।

माता रानी के दरबार में नन्हे कलाकारों ने सुंदर भजनों से बांधा समा....



आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रेल्वे स्टेशन पर बनी झाकी में विराजित मां महिषासुर मर्दनी के गरबा पांडाल में प्रतिदिन हो रहे आकर्षक गरीबों के बीच कल रात्रि छोटे छोटे बच्चों ने सुंदर सुंदर भजनों की प्रस्तुति से भक्तों का मन मोह लिया नवरात्रि के पावन पर्व पर माता रानी के पंडालों में गांधी कालोनी स्टेशन के रहने वाले छोटे छोटे बच्चे आंचल,रिंकू,जयदीप व भावेश उमरवाल ने राम आएंगे आएंगे...व राम कहानी...जैसे सुंदर सुंदर भजनों की प्रस्तुति देकर वहां मौजूद समिति व भक्तों का मन मोह लिया। जहां पर रेल्वे परिवार के समिति सहित सभी महिला पुरुष भक्तजन उपस्थित थे।

हिंगलाज माता मंदिर में महा अष्टमी हवन संपन्न



विशेष श्रृंगार किया गया। पुजारी देवपुत्री गोस्वामी ने बताया कि नव वर्ष में सुख समृद्धि एवं शांति के लिए आहुतियां देकर हवन संपन्न हुआ उन्होंने बताया कि सोमवार नवमी को प्रातः कुलदेवी कामाख्या की पूजा अर्चना के साथ कन्या भोज के साथ बाड़ी का विसर्जन होगा इस अवसर पर भक्तों ने माता और हवन का दर्शन लाभ लिया।

पीएमएफएमई योजना बनी स्वरोजगार का आधार, छोटे व्यवसायी को मिली नई पहचान

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना से युवा उद्यमी आत्मनिर्भर बन रहे हैं और अपने व्यवसाय को नई ऊंचाई दे रहे हैं। योजना का लाभ लेकर बड़ा बम चौक खंडवा निवासी श्री भागचंद अग्रवाल ने भी अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाया। श्री भागचंद अग्रवाल ने बताया कि पहले छोटी सी दुकान हुआ करती थी। संसाधनों के अभाव में वे अपने व्यवसाय का विस्तार नहीं कर पा रहे थे।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना से मिला सहारा- श्री अग्रवाल ने कहा कि उद्यानिकी विभाग के माध्यम से संचालित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के तहत आवेदन किया। योजना के अंतर्गत उन्हें 36 लाख 58 हजार रुपये का ऋण एवं 10 लाख रुपये की अनुदान राशि स्वीकृत हुई। इस राशि से उन्होंने अपनी दुकान अग्रवाल मिठास, रेलवे स्टेशन रोड खंडवा का विस्तार एवं आधुनिकीकरण किया। आज उनका व्यवसाय बढ गया है, उनकी नई पहचान बनी है और वे अन्य लोगों को भी रोजगार दे रहे हैं। श्री अग्रवाल ने कहा कि शासन की इस योजना ने उनके जीवन में बदलाव लाया है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

HPE की अप्रेंटिसशिप ड्राइव में विदिशा जिले के 9 युवाओं का चयन



विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में जिले के युवाओं को रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी ऋम में बैंगलोर की प्रतिष्ठित आईटी कंपनी HPE द्वारा कॉर्मास ग्रेजुएट युवाओं के लिए अप्रेंटिसशिप ड्राइव का आयोजन किया गया। ड्राइव में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से कुल 119 युवाओं ने सहभागिता की, जिनमें से 9 युवाओं का चयन अप्रेंटिसशिप के लिए किया गया है। चयन प्रक्रिया के माध्यम से जिले के युवाओं को प्रतिष्ठित आईटी कंपनी के साथ कार्य करने और व्यावसायिक क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला है। अप्रेंटिसशिप के दौरान युवाओं को कार्यस्थल की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने कौशल को विकसित करने तथा भविष्य में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त करने में मदद मिलेगी। अप्रेंटिसशिप ड्राइव में चयनित युवाओं में जागृति बघेल, शासकीय महाविद्यालय विदिशा; तनीशा साहू, गर्ल्स कॉलेज गंजबासौदा; सागर पटेल, एल.बी.एस. कॉलेज गंजबासौदा; शरद कुशवाहा एवं सूर्याश वर्मा, एल.बी.एस. कॉलेज सिरोंज; आशी सरदेशी एवं कुलदीप पटवा, जैन कॉलेज विदिशा; पुष्पेंद्र, वात्सल्य कॉलेज विदिशा तथा प्रियांशु चतुर्वेदी शामिल हैं। जिले के युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों से जोड़ने की यह पहल रोजगारोन्मुखी अवसरों के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे युवाओं को अपनी शैक्षणिक योग्यता के साथ-साथ व्यावहारिक एवं व्यावसायिक कौशल विकसित करने का अवसर मिलेगा। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा युवाओं की क्षमता और योग्यता के अनुरूप रोजगार।

सिंहस्थ क्षेत्र में बने महासिद्ध आश्रम पर बुलडोजर एक्शन

तीन अवैध निर्माणों पर कार्रवाई- तड़के 5 बजे तीन पोकलेन मशीनों के साथ पहुंची नगर निगम की टीम- नए भवन के हिस्से तोड़े, अंदर सामान मिलने पर रोकनी पड़ी कार्रवाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ की जमीन पर बने निर्माणों को लेकर नगर निगम की कार्रवाई अब तेज हो गई है। रविवार तड़के जयसिंहपुरा में नरसिंह घाट के पास स्थित महासिद्ध आश्रम में निगम की टीम ने दस्तक दी तो परिसर में हलचल मच गई। सुबह करीब 5 बजे तीन पोकलेन मशीनों के साथ पहुंची टीम ने आश्रम के नए बने भवन के हिस्सों को तोड़ना शुरू कर दिया। कार्रवाई सिंहस्थ के लिए सुरक्षित जमीन पर बने तीन पक्के निर्माणों को लेकर की गई।

इस कार्रवाई के दौरान मशीनों से निर्माण के हिस्से तोड़े जा चुके थे, लेकिन भवन के अंदर रखा सामान कार्रवाई के आड़े आ गया। अधिकारियों को पता चला कि कमरों में आश्रम का काफी सामान रखा है।

मादक पदार्थ तस्करी मामले का 20 हजार का इनामी गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मादक पदार्थ उपलब्ध कराने वाला तस्कर राजस्थान से पुलिस की हिरासत में आ गया। उसकी गिरफ्तारी पर 20 हजार का इनाम था। तस्कर को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। चिमनगंज थाना प्रभारी अशोक पाटीदार ने बताया कि अप्रैल माह में मादक पदार्थ ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री का खुलासा हुआ था। आगररोड स्थित कृष्णा मोटर्स गैरेज से अर्पित उर्फ सौरभ गुप्ता को 2 साथियों के साथ पकड़ा गया था और ड्रग्स बनाने का 75 किलो केमिकल ब्रोमोपोल बरामद किया गया था। पूछताछ में उसने शेख अमजद पिता अब्दुल रज्जाक निवासी खंदार मोहल्ला ड्या जिला झालावाड़ राजस्थान का नाम कबूल किया था, पिछले पांच माह से उसकी तलाश थी। गिरफ्तारी पर 10 हजार का इनाम भी घोषित किया गया था। इस बीच 19 अप्रैल को पुलिस ने उंडसा रोड गरोट पुलिया से कार में सवार धर्मन्द् उर्फ धम्म बुंदेला निवासी जनता नगर को 28 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ पकड़ा था। उसने भी ड्रा झालावाड़ के रहने वाले शेख अजमद से लाना कबूल किया था। पुलिस ने उक्त मामले में भी तस्कर शेख की गिरफ्तारी पर 10 हजार का इनाम घोषित कर दिया था। पांच माह बाद पुख्ता खबर मिलने पर डग में दबिशा दी गई। जहां से फरार इनामी तस्कर हिरासत में आ गया। उसे उज्जैन लाकर कोर्ट में पेश किया गया था। जहां से रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। संभावना है कि उससे जुड़े कुछ और तस्करों के साथ मादक पदार्थ कारोबार में शामिल उज्जैन के लोगों की जानकारी सामने आ सकती है।

तोड़फोड़ और मारपीट के आरोपी को भेजा जेल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गणेशपुरा में एक माह पूर्व घर में घुसकर तोड़फोड़ और मारपीट करने वाला मुख्य आरोपी पुलिस की हिरासत में आ गया। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। आरोपी हिस्ट्रीशीटर है जिसके दो साथी अब भी फरार है। माधव नगर थाना पुलिस ने बताया कि गणेशपुरा में रहने वाले सुनील सिसौदिया के पुत्र का कंचनपुरा निवासी विक्राी नुडल से पुराना विवाद चलता आ रहा है इसी रंजिश में बलराम रायकवार उर्फ विक्राी नुडल ने गोल्ड और एक नाबालिग के साथ मिलकर 21 सितंबर की रात सिसौदिया के घर में घुसकर तोड़फोड़ और मारपीट की थी। मामले में पुलिस ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज किया था। शनिवार को विक्राी नुडल को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ दो दिन पूर्व नीलागंज थाना क्षेत्र में करण नामक बदमाश के साथ मिलकर एक युवक को चाकू मारने का मामला भी दर्ज हुआ है। पुलिस फरार दोनों आरोपितों की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार विक्राी नुडल हिस्ट्रीशीटर बदमाश है। उसके खिलाफ 25 से अधिक मामले दर्ज है। विक्राी पिछले 12 सालों से अपराध कर रहा है। जिसके खिलाफ अब जिला बदर की कार्रवाई की जाएगी।

पिस्टल दिखाकर गोली मारने की धमकी देने वाले की तलाश

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दशहरा मैदान रोड पर तारा माता मंदिर के पास कार में टक्कर मारने के बाद हुए विवाद में पिस्टल दिखाकर धमकी देने वाले के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर पुलिस ने तलाश शुरू की है। माधव नगर थाना पुलिस ने बताया कि राजस्व कालोनी निवासी मयंक सोनी 15 अक्टूबर की रात करीब 10.30 बजे अपने भाई प्रद्युम सोनी के साथ कार एमपी-13-जीए-0007 से नानाखेड़ा जा रही था। तारा माता मंदिर के पास दशहरा मैदान रोड पर सामने से आ रही कार एमपी-09-एसएल-1111 के चालक भरत सिंह हड़्डा ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी कार में सामने की तरफ टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों भाई कार से उतरे और भरत



का अधिकार है। इसके बाद अधिक बोलने पर जान से खत्म करने की धमकी दी। मयंक ने पुलिस को बताया कि घटनाक्रम कुछ लोगों द्वारा देखा भी गया है। घटना के बाद प्रद्युम की तबीयत खराब हो गई थी, जिसके कारण वह तत्काल थाने नहीं पहुंच सका। बाद में अपनी मां पुष्पा सोनी के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर धमकी देने वाले की तलाश शुरू की है।

दिसंबर में मनेगी उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज की डायमंड जुबली, देश-विदेश से जुटेंगे 1500 पूर्व विद्यार्थी

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के 60 वर्ष पूर्ण होने पर आगामी 19 और 20 दिसंबर को परिसर में भव्य डायमंड जुबली समारोह आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक आयोजन में देश-विदेश से लगभग 1500 पूर्व विद्यार्थी शामिल होंगे। समारोह में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उच्च शिक्षा मंत्री इंंदर सिंह परमार ने भी शामिल होने की सहमति प्रदान की है।

जीईसीयू एलुमनी एसोसिएशन ने कॉलेज परिसर में गरबा महोत्सव आयोजित कर इस डायमंड जुबली समारोह की औपचारिक शुरुआत कर दी है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के सामने आयोजित गरबे में प्राचार्य उमेश पेंड्राकर, छात्र केशव साखला और शैलेशा तिवारी के नेतृत्व में करीब 600 वतंसम विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर एचआर राठौर, अमित बोरकर, केसी पाटीदार, सर्येंद्र जैन, अमिताभ छलानी, राकेश मिमरोट सहित अन्य पूर्व विद्यार्थी विशेष रूप से मौजूद रहे और आगामी मुख्य



इसके बाद सामान बाहर निकालने के लिए समय दिया गया और टीम फिलहाल लौट गई। यानी कार्रवाई अभी पूरी नहीं हुई है। मोहलत खत्म होने के बाद बाकी निर्माणों पर

फिर मशीनें चल सकती हैं।

दो नोटिस भी नहीं आए काम- महासिद्ध आश्रम यानी एमएस सुकुत ट्रस्ट परिसर में तीन अलग-अलग पक्के भवन बनाए गए थे। नगर निगम के भवन अधिकारी राजकुमार राठौर के अनुसार, इन निर्माणों को हटाने के लिए आश्रम संचालक को दो बार नोटिस दिए गए थे। इसके बावजूद निर्माण नहीं

हटाए गए। आखिरकार रविवार सुबह निगम की टीम मशीनों के साथ मौके पर पहुंच गई। कार्रवाई के दौरान नए भवन के कुछ हिस्से ध्वस्त किए गए। हालांकि, अंदर

सामान होने के कारण पूरी इमारतों को हटाने की कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी। अब सबकी नजर इस बात पर है कि सामान हटाने के लिए दी गई समयसीमा पूरी होने के बाद निगम कब दोबारा पहुंचता है।

दो दिन पहले पास के आश्रम में भी हुई थी तोड़फोड़- महासिद्ध आश्रम के आसपास अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पहली बार नहीं हुई है। दो दिन पहले ही निगम की टीम ने पास में स्थित हरियाणा वाले सत्यगिरि महाराज के आश्रम में बने अवैध निर्माण को पोकलेन मशीन से ध्वस्त किया था। इसके बाद अब महासिद्ध आश्रम में कार्रवाई की गई है।

लगातार दो आश्रमों में हुई कार्रवाई से जयसिंहपुरा के इस इलाके में सिंहस्थ भूमि पर बने निर्माणों का मुद्दा चर्चा में है। निगम

बड़नगर में बनेगा फूड प्रोसेसिंग पार्क, मोरों के लिए भी आएगा प्रोजेक्ट

मुख्यमंत्री की घोषणा- भाट पचलाना-इंगोरिया में सांदीपनि स्कूल, गीता भवन और कवि प्रदीप सम्मान समारोह भी होगा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।

बड़नगर में फूड प्रोसेसिंग पार्क बनेगा। मोरों के संरक्षण और पुनर्वास के लिए प्रदेश में नया प्रोजेक्ट शुरू करने की तैयारी है। भाट पचलाना और इंगोरिया में सांदीपनि स्कूल खुलेंगे। बड़नगर में गीता भवन बनाने और कवि प्रदीप सम्मान समारोह आयोजित करने की घोषणा भी की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को गजनीखेड़ी स्थित मां चामुंडा धाम में ये घोषणाएं कीं। इसी दौरान 22.34 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया गया। फूड प्रोसेसिंग पार्क बनने से बड़नगर के किसानों को अपनी उपज के प्रसंस्करण और बिक्री के नए अवसर मिल सकते हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि उज्जैन और आगर में आलू प्रसंस्करण की नई यूनिट शुरू होंगी। इनमें प्रदेश के 35 जिलों से



आलू खरीदा जाएगा। इससे किसानों को उपज का बेहतर दाम मिलने की उम्मीद है।

सिंहस्थ के लिए 25 हजार करोड़ के काम-मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ की तैयारियों पर 25 हजार करोड़ रुपए के विकास कार्य चल रहे हैं। सुगम बस सेवा फिर शुरू की गई है। सड़क हादसों

उज्जैन के 10 ब्लैक स्पॉट पर 9 महीने में 250 से ज्यादा मौतें

सड़क हादसों में 1250 से अधिक घायल- पुराने दुर्घटना स्थल खत्म नहीं हुए और नए ब्लैक स्पॉट भी बढ़े

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर और जिले में सड़क हादसों में जान गंवाने वालों की संख्या लगातार चिंता बढ़ा रही है। वर्ष 2026 में 1 जनवरी से 30 सितंबर तक जिले के करीब 10 ब्लैक स्पॉट पर 250 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 1250 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा हादसे दोपहिया वाहन चालकों के साथ हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए विभागीय बैठकों में हर बार योजना बनती है, लेकिन जमीनी स्तर पर ठोस सुधार नजर

नहीं आ रहा। जिले में हादसों की आशंका वाले 10 से अधिक स्थान यातायात विभाग ने चिह्नित किए हैं। इन जगहों पर दुर्घटनाएं रोकने के लिए प्रभावी इंतजाम नहीं हो पाए हैं। सड़क सुरक्षा समिति की बैठकों में यातायात, परिवहन, पीडब्ल्यूडी, नगर निगम और एनएचएआई सहित संबंधित विभागों को सुधार के निर्देश दिए जाते हैं, लेकिन हादसों का सिलसिला थम नहीं रहा। चिंता यह भी है कि कुछ पुराने ब्लैक स्पॉट खत्म होने के साथ नए दुर्घटना स्थल सामने आ रहे हैं।

तीन साल के आंकड़े भी चिंताजनक- ट्रैफिक पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2023 में जिले में 1558 सड़क दुर्घटनाएं हुईं थीं। इनमें 1498 लोग घायल हुए और 254 की मौत हुई। वर्ष 2024 में मृतकों की संख्या बढ़कर 257 हो गई, जबकि 1493 लोग घायल हुए। वर्ष 2025 में जनवरी से दिसंबर तक 1600 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें 1700 लोग घायल हुए और 365 लोगों की जान चली गई।

दोपहिया वाहन चालक सबसे ज्यादा

प्रभावित- सड़क हादसों में दोपहिया वाहन चालकों की संख्या सबसे अधिक है। तेज रफ्तार, लापरवाही और सड़क की परिस्थितियां दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ाती हैं। ऐसे में केवल ब्लैक स्पॉट चिह्नित करना पर्याप्त नहीं है। इन स्थानों पर संकेतक, प्रकाश व्यवस्था, सड़क की खामियों में सुधार और यातायात नियंत्रण जैसे उपाय जरूरी हैं। लगातार बढ़ते मौत के आंकड़े सड़क सुरक्षा के इंतजामों की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

आदर्श विद्यालयों के बलबूते पर नई पीढ़ी संस्कारित होगी- मुख्यमंत्री

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आदर्श विद्यालयों के बलबूते ही नई पीढ़ी संस्कारित होगी। शिक्षा के नए प्रकल्पों की शुरुआत इस दिशा में एक शुभ संकेत है। विद्यालय व्यक्तिगत मान अपमान के लिए नहीं होते हैं। यहां पर सब लोग एक समान रूप में शिक्षा ग्रहण करते हैं। गुरु सांदीपनि की परंपरा का निर्वहन करते हुए हमारे उज्जैन से कृष्ण और सुदाम की नई बैच निकलेगी। डॉ. मोहन यादव ने यह बात आज उज्जैन के जियापुरा में विद्या भारती की मानव बाल कल्याण समिति (विद्याभारती) के द्वारा निर्मित होने वाले बहुउद्देशीय महाकालपुरम प्रकल्प के भूमि पूजन एवं शिलान्यास अवसर पर कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन में आज



महाअष्टमी के दिन शिक्षा के एक नए चरण की शुरुआत हो रही है। पहले से ही उज्जैन में दो सरस्वती शिशु मंदिर संचालित हो रहे है जो कि मध्यप्रदेश बोर्ड के अधीन है। यह नया प्रकल्प सीबीएसई के अनुसार शिक्षण प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री ने इस प्रकल्प के लिए पूर्व में स्वीकृत किए गए 75 लाख के अलावा 1.25 करोड़ रूपए स्वीकृत करने की घोषणा की है।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए सांसद अनिल फिरोजिया ने कहा कि विद्या भारती ऐसी संस्था है जहां पर बच्चों को सर्वांगीण विकास होता है। फिरोजिया ने कहा कि मैं भी सरस्वती शिशु मंदिर का छात्र रहा हूं। यह ऐसी संस्था है जो छात्रों को अच्छा आचरण, संस्कार व नैतिकता का पाठ पढ़ाती है। इसके पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महाकालपुरम का शिलान्यास एवं भूमि पूजन किया।

ससुराल से लौट रहे युवक को अज्ञात वाहन ने कुचला



उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बाइक से उन्हेल लौट रहे युवक को रास्ते में अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। उसके पास मिले दस्तावेजों से पहचान की गई। परिजनों के आने पर सामने आया कि आगर ससुराल से लौट रहा था। उन्हेल के सुरजा खेड़ी में रहने वाला देवीसिंह पिता हटे सिंघ 22 साल खेती किसानी के लिए हूँ था। पत्नी मायके आगर जिले में थी। देवीसिंह अपनी बेटी को देखने और पत्नी से मिलने गया था। रात में वापस बाइक से उन्हेल लौट रहा था। ग्राम रुई के समीप पीछे से आए अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। देवीसिंह गंभीर हो गया।

उसे एम्बुलेंस अस्पताल लेकर पहुंची लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उसके पास मिले दस्तावेजों से पहचान की गई और परिजनों को सूचना दी गई। रविवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है। शहर में पिछले 15 दोनों से लगातार सड़क दुर्घटना सामने आ रही है हर दिन मौत होने की सूचना भी मिल रही है। दुर्घटना का सबसे अधिक शिकार बाइक पर सवार लोग हो रहे हैं। 15 दिनों में दस लोगों की जान जा चुकी है। यही नहीं कुछ दिन पहले पुलिस ने दुर्घटना रोकने और घायलों को अस्पताल तक पहुंचाने को लेकर पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण भी दिया था। कुछ सालों से दुर्घटना स्थलों को चिन्हित किया जा रहा है बावजूद दुर्घटना नहीं रुक रही है।



उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल मंदिर के आसपास चल रहे निर्माण कार्य तय समय-सीमा में पूरे करने और गुणवत्ता से समझौता नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक एवं अपर कलेक्टर प्रथम कौशिक ने रविवार को बड़ा गणेश रोड, महाकाल चौराहा, महाराजवाड़ा के सामने प्रस्तावित 30 मीटर चौड़ी सड़क और हरसिद्धि रोड पर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण एजेंसियों से काम की गति और गुणवत्ता पर ध्यान देने को कहा। साथ ही निर्देश दिए कि निर्माण के दौरान महाकाल दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को रास्ते और दर्शन की कतार में परेशानी नहीं हो। इसके लिए आवागमन की व्यवस्था बनाए रखने और निर्माण कार्यों की लगातार निगरानी करने पर जोर दिया।

उज्जैन में इस माह बिजली की 40 फीसदी बढ़ी मांग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कम बारिश के कारण जल विद्युत उत्पादन घटने और सिंचाई व गर्मी के चलते बिजली की खपत बढ़ने से प्रदेश में बिजली संकट गहराने लगा है। पिछले साल के मुकाबले बिजली की मांग 5 से 6 हजार मेगावॉट तक बढ़ गई है। अक्टूबर में ही मांग करीब 40 फीसदी बढ़कर उज्जैन में 900 मेगावॉट तक पहुंचने का अनुमान है। दीपावली पर बढ़ने वाली खपत को देखते हुए प्रदेश में करीब 4 हजार मेगावॉट अतिरिक्त बिजली जुटाने की तैयारी की जा रही है। कम बारिश से बांध पूरी तरह नहीं भर पाए हैं। इससे जल विद्युत उत्पादन करीब 1500 मेगावॉट रह गया है, जबकि ताप विद्युत उत्पादन में भी करीब 1000 मेगावॉट की कमी आई है। दूसरी ओर, खेतों में सिंचाई और गर्मी के कारण पेरैलू बिजली की खपत बढ़ी है। नवरात्र और दीपावली जैसे त्योहारों के दौरान भी मांग में इजाफा हो रहा है। बढ़ती मांग पूरी करने के लिए ऊर्जा विभाग दूसरे राज्यों से बिजली लेने और बिजली एक्सचेंज से खरीदने के प्रयास कर रहा है। विभाग का दावा है कि अगले सप्ताह तक आपूर्ति में सुधार होगा और बिजली संकट से राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने पूर्व महापौर एव विधायक

स्व. रामेश्वर अखंड के निधन पर उनके निवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की



उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को पूर्व महापौर एवं पूर्व विधायक स्वर्गीय श्री रामेश्वर अखंड के मकसी रोड स्थित निवास पर पहुंचकर उनके निधन पर शोक व्यक्त किया तथा शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने स्व. श्री अखंड के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। ज्ञात हो कि स्वर्गीय श्री अखंड 76 वर्ष के थे। वे काफी समय से अस्वस्थ चल रहे थे और रविवार को प्रातः उनका निधन हो गया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात स्व. श्री अखंड के परिजनों से भेंट की और उन्हें ढाढ़स बँधाया। इस दौरान उनके पुत्र डॉ. अनिल राज अखंड एवं श्री चेतन राज अखंड, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शांति देवी अखंड तथा अन्य परिजन उपस्थित थे। इस अवसर पर उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री रवि सोलंकी, सिंहस्थ विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जगदीश अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।